खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 20 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-229

वंदे दो पद मात्रम्!

कांग्रेस नहीं गाएगी पूरा राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम के दो पद ही गाएगी कांग्रेस। | राम मंदिर चंदा चोरी पर देशभर में प्रदर्शन का एलान। | पेपर लीक पर भी केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी।

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में वंदे मातरम को लेकर पार्टी ने अपना पुराना रुख एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है। कांग्रेस ने वर्ष 1937 के फैसले को बरकरार रखते हुए तय किया कि पार्टी के कार्यक्रमों और राष्ट्रीय सभाओं में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे।

वहीं, बैठक में राम मंदिर चंदे से जुड़े कथित 'चंदा चोरी' के मुद्दे को लेकर भी रणनीति तैयार की गई। कांग्रेस ने इस मुद्दे को देशभर में जमीनी स्तर तक ले जाने का फैसला किया है और प्रदेश कांग्रेस समितियों को गांव एवं पंचायत स्तर तक इसे उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

1937 के फैसले पर कायम रही कांग्रेस

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में वंदे मातरम के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान कई नेताओं ने वर्ष 1937 में पार्टी द्वारा अपनाए गए रुख को दोहराया।

कांग्रेस के अनुसार, उसका वर्तमान निर्णय अक्टूबर 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा पारित प्रस्ताव पर आधारित है। उस समय पार्टी ने राष्ट्रीय सभाओं में वंदे मातरम के केवल पहले दो पद गाने का निर्णय लिया था। बैठक में पार्टी ने इसी पुराने रुख को बरकरार रखने पर सहमति जताई।

राम मंदिर चंदा मुद्दे पर देशव्यापी अभियान

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव संगठन के. सी. वेणुगोपाल ने राम मंदिर से जुड़े कथित 'चंदा चोरी' के मुद्दे को गंभीर चिंता का विषय बताया।

उन्होंने कहा कि यह मामला लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के मुद्दे का इस्तेमाल कर लोगों को ध्रुवीकृत करने वाले लोग अब पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं।

उनके अनुसार, कांग्रेस इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक ले जाएगी। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस समितियों को गांव और पंचायत स्तर पर इसे उठाने के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस कार्यसमिति ने प्रदेश कांग्रेस समितियों को इस मुद्दे पर देशभर में प्रदर्शन करने का निर्देश भी दिया है।

बैठक में 88 नेताओं ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। बैठक में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि बैठक में 88 नेताओं ने हिस्सा लिया, जबकि 33 नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी।

बैठक में कार्यसमिति के सदस्यों के साथ स्थायी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य तथा कांग्रेस के चार मुख्यमंत्री भी शामिल हुए।

इनमें तेलंगाना के ए. रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा कर्नाटक के डी. के. शिवकुमार शामिल रहे। बैठक में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी भाग लिया।

पेपर लीक और छात्र आंदोलनों पर भी चर्चा

वेणुगोपाल ने कहा कि बैठक में पेपर लीक और इसके खिलाफ देशभर में हुए आंदोलनों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन आंदोलनों से जिस तरह निपटा, उस पर कांग्रेस कार्यसमिति में विचार किया गया।

उन्होंने दावा किया कि संसद के मानसून सत्र में विपक्ष प्रभावी रहा और सरकार विभिन्न मुद्दों पर दबाव में रही।

शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था के लिए बनेगा रोडमैप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से शिक्षा विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करने को कहा है। इसका उद्देश्य शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करना है।

मुख्यमंत्रियों से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपने के लिए कहा गया है।

बैठक में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को आगे भी जारी रखने का फैसला किया गया। कांग्रेस के अनुसार, ऐसे कार्यक्रम अब देश के 800 शहरों में आयोजित किए जाएंगे। इनमें से कुछ कार्यक्रमों का नेतृत्व राहुल गांधी स्वयं करेंगे।

अरुणाचल प्रदेश और चीन के मुद्दे पर सरकार को घेरा

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में अरुणाचल प्रदेश में कथित चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में 'सरेंडर पॉलिसी' अपना रही है।

पार्टी ने इस मुद्दे को भी केंद्र सरकार के खिलाफ अपने राजनीतिक अभियान का हिस्सा बनाने का संकेत दिया है।

महिला आरक्षण और 'शुद्धीकरण' पर भी उठे सवाल

वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस कार्यसमिति में महिला आरक्षण के मुद्दे पर पार्टी का रुख दोहराया गया। कांग्रेस की मांग है कि महिलाओं को आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों के आधार पर ही लागू किया जाए।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उत्तराखंड में मल्लिकार्जुन खरगे के एक कार्यक्रम के बाद हुए कथित 'शुद्धीकरण' के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश से माफी मांगने की मांग की।

जातीय जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग के कॉलम पर सवाल

के. सी. वेणुगोपाल ने जातीय जनगणना की प्रश्नावली में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अलग कॉलम नहीं होने को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर पहले भी चर्चा कर चुकी है और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस इस मामले को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है और केंद्र सरकार से पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब चाहती है। ▶8पर

अब राम प्रसादम् घोटाला!

अमेज़न पर ठगी, 1 लाख जुर्माना

अयोध्या, 19 अगस्त (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स मंच अमेजन पर अयोध्या के राम मंदिर का प्रसाद बताकर चार तरह की मिठाइयां बेचे जाने के मामले में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने अमेजन को यह राशि 15 दिन के भीतर जमा करने का निर्देश दिया है। नोटिस मिलने के बाद अमेजन ने संबंधित उत्पादों की लिस्टिंग अपने मंच से हटा दी थी। प्राधिकरण ने कहा कि किसी सामान्य मिठाई को राम मंदिर के प्रसाद के रूप में बेचा जाना करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकता है।

राम मंदिर का प्रसाद बताकर घी के लड्डू, खोया लड्डू, बूंदी के लड्डू और गाय के दूध से बने पेड़े बेचे जा रहे थे। इनकी ऑनलाइन लिस्टिंग में इन्हें राम मंदिर का प्रसाद बताया गया था। आरोप है कि इन उत्पादों को राम मंदिर का प्रसाद बताकर बेचने के लिए अमेजन ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अनुमति नहीं ली थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा ने चार अगस्त को मामले में कार्रवाई की थी।

इस मामले में अमेजन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

यह मामला पहली बार जनवरी 2024 में सामने आया था। चंदू ट्रेडिंग कंपनी ने 'बिहार ब्रदर्स' ब्रांड के नाम से अमेजन पर चार तरह की मिठाइयां सूचीबद्ध की थीं। इनमें घी के लड्डू, खोया लड्डू, बूंदी लड्डू और गाय के दूध से बने पेड़े शामिल थे।

इन उत्पादों की ऑनलाइन लिस्टिंग में धार्मिक तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया था। साथ ही दावा किया गया था कि इन मिठाइयों पर 'श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या का आशीर्वाद' है। ▶8पर

चढ़ावा चोर फिर सक्रिय खुलेआम घूम रहे चंपत-मिश्रा

अयोध्या, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े पूर्व प्रमुख पदाधिकारियों चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र की सामाजिक सक्रियता अचानक बढ़ने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल की जांच-पड़ताल अभी जारी है। चढ़ावा प्रकरण में कथित लापरवाही को लेकर सवालों के घेरे में रहे राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय 25 जुलाई से लगातार रामनगरी के मठ-मंदिरों में जाकर साधु-संतों से मुलाकात कर रहे हैं। वहीं, पिछले करीब एक सप्ताह से डॉ. अनिल मिश्र भी विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में सक्रिय नजर आ रहे हैं। ऐसे समय में दोनों की बढ़ी सक्रियता को लेकर अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। ट्रस्ट से जुड़े प्रमुख चेहरों की सार्वजनिक गतिविधियां बढ़ने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों पदाधिकारी अब सामाजिक और धार्मिक स्तर पर अपनी सक्रिय उपस्थिति बनाए रखने की रणनीति के तहत कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। ▶8पर

कोलकाता अग्निकाँड

पाँच मंजिला होटल स्वाहा, 9 मरे

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में बुधवार तड़के एक पांच मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। यह इमारत मध्य कोलकाता की मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर स्थित है और इसमें कई होटल संचालित हो रहे थे। पुलिस के मुताबिक, आग रात करीब 1:45 बजे लगी। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, इमारत से करीब 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल इमारत को ठंडा करने का काम जारी है। सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के तारापीठ में एक होटल को अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर रिपोर्ट तैयार करने वाले स्टेशन अधिकारी अभय चौधरी को अग्निशमन विभाग ने निलंबित कर दिया है। ▶8पर

विपक्ष की रसोई में 'कॉकरोच'

अभिव्यक्ति की आजादी पर दोहरा मापदंड

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजनीति में कुर्सी का स्थान बदलते ही बयानों और प्राथमिकताओं का बदलना कोई नई बात नहीं है। जो बात विपक्ष में रहते हुए अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतांत्रिक अधिकार लगती है, सत्ता में आते ही वही कानून-व्यवस्था के लिए खतरा नजर आने लगती है। छात्र विरोध प्रदर्शनों को लेकर तमिलनाडु से आया एक प्रशासनिक फैसला और उस पर हुआ सियासी घमासान इसी हकीकत की ओर इशारा करता है। तमिलनाडु में सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' और वामपंथी संगठनों के संभावित विरोध प्रदर्शनों की आहट पाकर उन्हें रोकने के लिए सख्त आदेश जारी किया। हालांकि, चौतरफा विरोध के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े और आदेश वापस लेना पड़ा। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया कि चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्यों की, जब बात अपनी सत्ता की आती है तो विरोध प्रदर्शन किसी भी हुक्मरान को रास नहीं आते। यानी अपनी रसोई में किसी को भी 'कॉकरोच' अच्छे नहीं लगते।

विजय सरकार का फैसला और तुरंत आया यू-टर्न

घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई, जब तमिलनाडु के उच्च शिक्षा विभाग और कॉलेज शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य के सरकारी कॉलेजों और स्कूलों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। मुख्य सचिव के निर्देशों के हवाले से पुलिस, प्रशासन और शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से काम करने को कहा गया। आदेश का उद्देश्य छात्रों और युवाओं को 'कॉकरोच जनता पार्टी' और वामपंथी दलों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने से रोकना बताया गया। कॉलेज प्राचार्यों से इस संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी गई। आदेश सामने आते ही छात्र संगठनों और वामपंथी दलों ने तीखा विरोध शुरू कर दिया। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और कॉकरोच जनता पार्टी ने इसे असंवैधानिक बताते हुए राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।मामला तूल पकड़ने और राजनीतिक दबाव बढ़ने के बाद विजय सरकार ने आनन-फानन में आदेश वापस ले लिया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

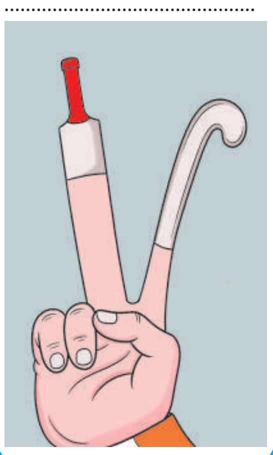

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 24°

'बाबू' ने मारा!

रूपारेड्डी हत्याकांड में बडा खुलासा

ओम प्रकाश सिरवी

नलगोंडा, 19 अगस्त

नलगोंडा जिले में स्थित चर्चित हत्याकांड कोंडामल्लेपल्ली जेबी कॉलोनी में 11 अगस्त की शाम हुई स्कूल प्रिंसिपल रूपा रेड्डी की हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, हत्या में उसी स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं कक्षा के दो 16 वर्षीय छात्रों की कथित संलिप्तता सामने आई है। दोनों छात्र हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहे थे।

हत्या के बाद पुलिस के लिए यह मामला बड़ी चुनौती बन गया था। जांच में कोई कसर नहीं छोड़ते हुए करीब 70 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और लगभग 80 संदिग्धों से पूछताछ की गई। क्लूज टीम, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम की मदद लेने के साथ कॉल डाटा और टावर लोकेशन की भी जांच की गई। विभिन्न सुरागों को जोड़ते हुए पुलिस की जांच आखिरकार स्कूल के दो छात्रों तक पहुंची।

'बाबू' शब्द बना जांच की अहम कड़ी

पुलिस के अनुसार, रूपा रेड्डी स्कूल के बच्चों को प्यार से 'बाबू' कहकर संबोधित करती थीं। घटना के दौरान अपनी छोटी मां से फोन पर बातचीत में भी उनके मुंह से 'बाबू' शब्द सुनाई दिया था। पुलिस ने इसे महत्वपूर्ण सुराग माना और इस दिशा में जांच आगे बढ़ाई। पूछताछ और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों छात्रों पर संदेह गहराता गया। एसपी शरत चंद्र पवार के अनुसार, दोनों छात्र करीब 16 वर्ष के हैं और नागार्जुन ग्रामर स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। पुलिस का कहना है कि दोनों कथित तौर पर गलत आदतों के शिकार हो गए थे और आसानी से पैसा कमाने के तरीकों में रुचि लेने लगे थे। ▶8पर

बच्चों को सम्पत्ति से बेदखल कर सकते हैं माँ-बाप

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बुजुर्ग माता-पिता के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को अपने घर में सम्मान और सुरक्षा के साथ रहने का अधिकार है। यदि बेटे या बहू का घर में रहना बुजुर्ग माता-पिता के भरण-पोषण या सुरक्षा में बाधा बन रहा है, तो उन्हें घर से बेदखल किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब अपमान या असुरक्षा के साथ रहना नहीं है। सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कितना सम्मान और सुरक्षा का व्यवहार करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला लखनऊ के रवि कांत गुप्ता से जुड़े मामले में सुनाया। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उनके बेटे और बहू को घर से बेदखल करने संबंधी उपजिलाधिकारी और जिलाधिकारी के आदेश को रद्द कर दिया गया था। लखनऊ के विकास नगर में रवि कांत गुप्ता की 81 वर्षीय मां रहती थीं। आरोप था कि उनके पोते ने उन्हें अपने ही घर में रहने नहीं दिया। ▶8पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

न्यूज ब्रीफ

नाजी सेना की मोटरसाइकिल और बारूद का जखीरा बरामद

बुडापेस्ट । हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में यूरोप की प्रसिद्ध डेन्यूब नदी का जलस्तर कम होने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़े एक बड़े रहस्य का पर्दाफाश हुआ है। हिटलर की नाजी सेना से संबंधित एक पूरी मोटरसाइकिल और बारूद का खतरनाक जखीरा नदी के तल से बरामद किया गया है। दशकों तक कीचड़ में दबी यह वेहरमाख्ट की डीकेडब्ल्यू एनजेड 350–1 माडल की मोटरसाइकिल लगभग पूरी तरह सुरक्षित अवस्था में मिली है। यह असाधारण खोज बुडापेस्ट के संसद भवन के पास डेन्यूब नदी के तल में हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मिलिट्री हिस्ट्री इंस्टीट्यूट ने इस खोज को सौ साल में एक बार होने वाली घटना बताया है। नदी की मिट्टी ने इसे प्राकृतिक रूप से संरक्षित रखा है। यह विशेष युद्धकालीन मोटरसाइकिल 1944 से निर्मित की जा रही थी और 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने तक इसकी लगभग 12,000 यूनिट्स तैयार की गई थीं। इससे पहले वाले माडल डीकेडब्ल्यू एनजेड 350 की शीर्ष गति 105 किलोमीटर प्रति घंटा तक बताई जाती है। इस मोटरसाइकिल का निर्माण आटो यूनियन एजी ने किया था, जो 1932 में आडी सहित कई कंपनियों के विलय से बनी थी। एनजेड सीरीज़ के 250 और 350 माडल 1936 तक तैयार हो गए थे, लेकिन दूसरे माडल की अधिक बिक्री के चलते इनका बड़े पैमाने पर उत्पादन 1938 में शुरू हुआ। तकनीकी तौर पर भी यह बाइक अपने समय से अलग थी। पहले के माडलों में फ्रेम के हिस्से बोल्ट से जुड़े होते थे, लेकिन एनजेड सीरीज़ में इन्हें वेल्ड किया गया था।

तीस्ता जल विवादः बांग्लादेश भारत के साथ नहीं बिगाड़ना चाहता संबंध, आपसी हितों के संतुलन पर दिया जोर

ढाका। बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्री शाहिदुद्दीन चौधरी अनी ने साफ किया है कि उनका देश लंबे समय से अटके तीस्ता जल बंटवारा समझौते को लेकर भारत के साथ अपने मैत्रीपूर्ण और द्विपक्षीय संबंधों को किसी भी कीमत पर खराब नहीं करना चाहता। हालांकि, उन्होंने नई दिल्ली से आग्रह किया है कि वह अपने हितों के साथ–साथ ढाका के राष्ट्रीय हितों का ध्यान रखे। एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहमान सरकार में मंत्री चौधरी ने कहा कि एक मित्र देश को दूसरे मित्र के हितों की रक्षा करनी चाहिए और दोनों देशों को आपसी सहयोग से आगे बढ़ना चाहिए। यह बयान तब सामने आया है जब बांग्लादेश ने तीस्ता नदी के जल प्रबंधन और समाधान के लिए नए सिरे से प्रयास तेज किए हैं। इसमें चीन के सहयोग से प्रस्तावित तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना शामिल है।

सदी के अंत तक चार घंटे अतिरिक्त करना पड़ सकता है गर्मी का सामनाः शोध

बीजिंग। यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और प्रदूषण मौजूदा गति से बढ़ता रहा, तो इस सदी के अंत तक हर गर्म दिन में औसतन चार घंटे अतिरिक्त भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। यह चेतावनी दी है शोध कर्ता वैज्ञानिकों ने। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस बदलाव का सबसे अधिक असर निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर पड़ेगा, जहां पहले से ही गर्मी, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं और संसाधनों की कमी बड़ी चुनौती हैं। शोध चीन की सन यात–सेन यूनिवर्सिटी और सदर्न मरीन साइंस एंड इंजीनियरिंग ग्वांगडोंग लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने किया है। उनके अनुसार, अब तक गर्मी का आकलन मुख्य रूप से किसी दिन के अधिकतम या न्यूनतम तापमान के आधार पर किया जाता रहा है, लेकिन इससे दिन के उन घंटों का सही आकलन नहीं हो पाता, जब तापमान अचानक अत्यधिक स्तर तक पहुंच जाता है और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। वैज्ञानिकों ने वर्ष 1981 से 2023 तक के मौसम संबंधी आंकड़ों और भविष्य के जलवायु माडलों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि दुनिया के मैदानी क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान हर वर्ष औसतन 269 घंटे अत्यधिक गर्मी की श्रेणी में आते हैं। इसके अलावा, वर्ष 1981 से 2023 के बीच पृथ्वी के 80 प्रतिशत से अधिक भूभाग पर प्रत्येक दशक में औसतन 62 घंटे की अतिरिक्त भीषण गर्मी दर्ज की गई है, जो जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को दर्शाती है।

होर्मुज पर ट्रंप ने नक्शा पोस्ट कर कहा– यह अमेरिका का नया इलाका

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाने वाले होर्मुज जलमार्ग के नियंत्रण को लेकर तनाव काफी बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक नक्शा साझा करते हुए इस प्रमुख समुद्री मार्ग को अमेरिका का नया इलाका करार दिया है। इस दावे के बाद अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में हलचल तेज हो गई है। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाले इस संकरे समुद्री मार्ग पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है, जो अब और अधिक गंभीर रूप लेती नजर आ रही है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऊर्जा शिपमेंट के लिए दुनिया के सबसे अहम मार्गों में शुमार इस जलमार्ग पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण होने का दावा किया। इसके बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने दोहराया कि इस समुद्री मार्ग को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करना एक बेहतरीन विचार है और नाकाबंदी के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। इससे पहले एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए भी उन्होंने इस तरह के संकेत दिए थे। अमेरिका के इन बयानों के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताएं गहरी हो गई हैं।

दूसरी तरफ, ईरान ने भी इस मामले पर अपना रुख पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है। ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि जब तक अमेरिका पूर्व में हुए समझौतों के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करता, तब तक यह समुद्री मार्ग बंद ही रहेगा। तेहरान की ओर से यह मांग की गई है कि

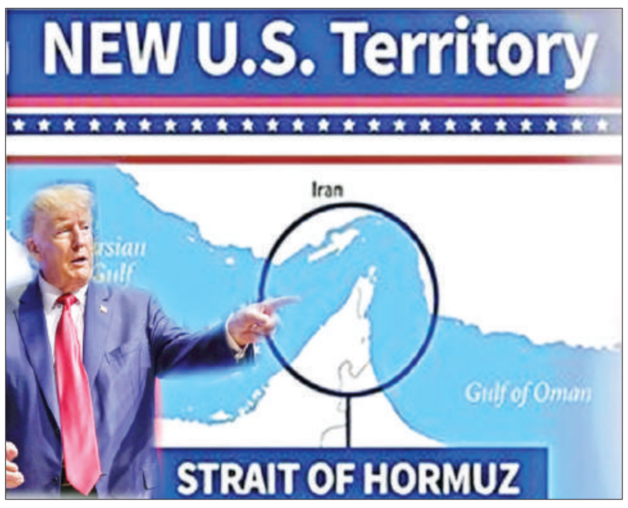

वाशिंगटन अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को समाप्त करे, ईरान के तेल निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाए और विदेशों में रोकी गई ईरानी संपत्तियों को बहाल करे। ईरान का तर्क है कि ये सभी मुद्दे आपसी समझ का हिस्सा थे, जिनके लागू न होने के कारण यह गतिरोध उत्पन्न हुआ है। वर्तमान स्थिति यह है कि जलमार्ग के ट्रांजिट और नियंत्रण को लेकर दोनों पक्षों के बीच कड़ा टकराव बना हुआ है।

इस बढ़ते तनाव के बीच समुद्री सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं ने स्थिति को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। हाल ही में इस मार्ग से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज को किसी अज्ञात प्रक्षेप्य (प्रोजेक्टाइल) द्वारा टक्कर मारे जाने की खबर सामने आई है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बिना फटे बमों और गोलों को सक्रिय कर रही आग

लंदन। यूरोप के जंगलों में भड़क रही भीषण आग जमीन में दबे द्वितीय विश्व युद्ध के बिना फटे बमों और गोलों को सक्रिय कर रही है, जिससे वे अचानक फट रहे हैं। यह भीषण आग एक नए और जानलेवा खतरे को जन्म दे रही है। यह स्थिति न केवल आम लोगों के लिए घातक है, बल्कि दमकलकर्मियों के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। जर्मनी के म्यूरिट्ज़ नेशनल पार्क में जुलाई में लगी आग के दौरान, दमकलकर्मियों को बम निरोधक दस्तों के साथ काम करना पड़ा क्योंकि जमीन के नीचे भारी मात्रा में युद्ध का गोला–बारूद दबा हुआ था। विस्फोट के डर से बचाव दल जंगल के कई हिस्सों तक पहुंच ही नहीं पाए। इसी तरह, फ्रांस के दक्षिण–पश्चिमी गिरोंड इलाके में 42,000 हेक्टेयर क्षेत्र को राख करने वाली आग ने जमीन के अंदर से कम से कम 75 जिंदा गोले बाहर निकाल दिए। इनमें से कई गोले तेज आवाज के साथ फट गए। ले पोर्ज गांव के मेयर मार्शल जानीनेत्ती ने बताया कि उनके पास इन बमों की मौजूदगी का कोई रिकार्ड नहीं था। ब्रिटेन के नार्थ यार्कशायर के लैंगडेल मूर में भी 2025 में छह सप्ताह तक चली आग के दौरान 20 से अधिक गोले फटे थे, क्योंकि यह क्षेत्र द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान टैंक प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल होता था। दशकों से शांत पड़े ये बम अब जमीन के अंदर आग की भीषण गर्मी और दबाव के कारण फट रहे हैं। पुरानी युद्ध सामग्री समय के साथ अस्थिर हो जाती है और उच्च तापमान पर उसके फ्यूज बेहद संवेदनशील होकर धमाके का कारण बन जाते हैं। जब आग कई घंटों या दिनों तक सुलगती रहती है, तो वह जमीन की गहराइयों तक भयानक गर्मी पहुंचाती है, जिससे दबे हुए गोला–बारूद में विस्फोट हो जाता है। यह संकट जलवायु परिवर्तन से सीधे जुड़ा है, जिसने यूरोप में जंगल की आग को पहले से कहीं अधिक विनाशकारी बना दिया है। स्पेन और फ्रांस में 2026 में लगी भीषण आग इसका स्पष्ट उदाहरण है। लगातार बढ़ती गर्मी और बारिश की कमी से मिट्टी की नमी खत्म हो रही है, जिससे आग को फैलने का मौका मिलता है। उत्तरी फ्रांस और बेल्जियम में तो किसान आज भी जुताई के दौरान प्रथम विश्व युद्ध के गोले निकालते हैं, जिन्हें लौह फसल या आयरन हार्वेस्ट कहा जाता है। प्रशासन और बचाव टीमों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि उन्हें आग बुझाने के साथ–साथ इन अप्रत्याशित विस्फोटों से भी निपटना पड़ रहा है।

बांग्लादेश में जेल में कैद अवामी लीग की नेता दीपू मोनी के पति का निधन, अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पैरोल की अर्जी दी

ढाका

बांग्लादेश अवामी लीग की नेता और पूर्वमंत्री डा. दीपू मोनी के पति तौफीक नवाज का ढाका के एक अस्पताल में निधन हो गया। दीपू मोनी के बड़े भाई जेआर वदूद टीपू ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि नमाज–ए–जनाजा और दफनाने की जगह और समय के बारे में फैसला किया जाएगा। दीपू मोनी इस समय जेल में बंद हैं। उन्होंने पैरोल के लिए अर्जी दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, जेल में बंद अवामी लीग की नेत्री दीपू मोनी के बड़े भाई जेआर वदूद टीपू ने बताया कि उनके बहनोई तौफीक नवाज का रात 10:27 बजे कान्टिनेंटल हास्पिटल (यूनाइटेड हास्पिटल) में निधन हुआ है। उनका अस्पताल में लंबे समय से इलाज चल रहा था। नवाज की नमाज–ए–जनाजा और दफनाने की जगह और समय के बारे में फैसला किया जाएगा। नवाज को 2019 में स्ट्रोक आया था।

बांग्लादेश उच्चतम न्यायालय के पूर्व वकील और शास्त्रीय संगीत के विशेषज्ञ नवाज को इसी वर्ष 27 मई को रिश्तेदार व्हीलचेयर पर अदालत ले गए थे ताकि वह तारीख पर आईं अपनी पत्नी से मिल सकें। पूर्व मंत्री डा. दीपू मोनी को 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद 19 अगस्त 2024 को ढाका के बारीधारा इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

वह इस समय मुंशीगंज जिला जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। बीच में तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें इलाज के लिए ढाका मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया था। वहां से ठीक होने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया था।उनके खिलाफ हत्या, मानवता के खिलाफ अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा भड़काने जैसे करीब 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से अदालत ने उन्हें आधिकारिक तौर पर 38 मामलों में गिरफ्तार दिखाया है।

जून 2026 में उन्हें उच्च न्यायालय से कुछ मामलों में अंतरिम जमानत मिली थी, लेकिन उच्चतम न्यायालय के अपीलीय डिवीजन ने सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी जमानत पर रोक लगा दी थी। इस वजह से वह जेल से बाहर नहीं आ सकीं। पति तौफीक नवाज के निधन के बाद उनके वकीलों ने उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुंशीगंज जिला प्रशासन से पैरोल पर रिहाई की अर्जी लगाई है।

यूएस-दक्षिण कोरिया साझेदारी में मोड़, ईरान पर ना से ट्रंप खफा

वाशिंगटन। अमेरिका और दक्षिण कोरिया की दशकों पुरानी सैन्य साझेदारी अचानक एक नाटकीय मोड़ पर आ खड़ी हुई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल आफिस में पत्रकारों के सामने जो बातें कही, वे एक गहरे असंतोष और सवाल का इजहार थीं। ट्रंप ने साफ–साफ कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान में मदद करने से इनकार कर दिया। यही इनकार अब दोनों देशों के रिश्तों में तनाव का बड़ा कारण बन गया है। ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति को फोन किया और सीधा पूछा, क्या आप ईरान के मामले में हमारी मदद करेंगे अगर चाहें तो करें, हमें जरूरत नहीं है। इस सवाल का जवाब आया, नो थैंक्स। बस यही वो पल था, जब अमेरिका की दक्षिण कोरिया को लेकर नीति बदल गई। ट्रंप को ना सुनने की आदत नहीं है और ये जवाब उन्हें बुरी तरह चुभा। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा, ठहरिये, हमारे 39 हजार सैनिक वहां तुम्हारे पड़ोसी किम जोंग उन से तुम्हारी रक्षा कर रहे हैं। तुम्हारा पड़ोसी और तुम ईरान जैसे आसान सैन्य अभियान में हमारी मदद नहीं करोगे यह तो अजीब है। ट्रंप ने बार–बार दोहराया कि अमेरिका को ईरान में मदद की जरूरत नहीं है, लेकिन सहयोगी देश अगर मदद से मुंह मोड़ ले तो फिर अमेरिका क्यों अरबों डालर खर्च करके उनकी सुरक्षा करे पहले ही डोनाल्ड ट्रंप नाटो से धोखा खाए हुए थे ।

सऊदी अरबः अबू माथेन जॉर्ज का विदाई समारोह आयोजित

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित भारतीय दूतावास द्वारा डिप्टी चीफ ऑफ मिशन (डीसीएम) और चार्ज डी अफेयर्स (ए.आई.) अबू माथेन जॉर्ज के लिए एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। रियाद के अल उरैजा अल घरबिया स्थित गार्डन रेस्टोरेंट–2 में आयोजित इस कार्यक्रम में रियाद की प्रमुख सामाजिक संस्था 'साटा' के प्रतिनिधियों सहित भारतीय समुदाय के कई प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया।

भारतीय समुदाय को दिए गए योगदान को किया गया याद

समारोह के दौरान विभिन्न भारतीय समुदायों के प्रतिनिधियों ने अबू माथेन जॉर्ज के साथ अपने अनुभवों और यादों को साझा किया। वक्ताओं ने रियाद में उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय प्रवासियों को मिले निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए उनका विशेष आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने उनके मिलनसार, शांत और आत्मीय स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि हर व्यक्ति से मुस्कुराकर मिलने की

उनकी शैली ने उन्हें समुदाय के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाया।

साटा की कोर टीम ने व्यक्त किया आभार

इस अवसर पर साटा रियाद की कोर टीम के सदस्य ख्वाजा मुज़म्मिल उद्दीन और नूर उद्दीन ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से शिरकत की। इसके साथ ही साटा के संस्थापक मल्लेशन, विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्ष श्रीनिवास मच्चा व शारवाणी, और कोर टीम के सदस्यों कोकिला ओतुलूरी, अर्शिया, प्रीति चौहान, योगेश्वर राव वीरवल्ली, अहमद अब्दुल करीम, मिधुना सुरेश, मुदिगोंडा शंकर, मुरलीकृष्ण बूसी, लोकेश तल्ला, अहमद मोहिउद्दीन रोज़धर सैयद (अस्लम), पेंटापति श्रीचरण, दूडम संजीव, शेखर पडाला और शेख अस्लम पाशा ने अबू माथेन जॉर्ज को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य व नई ज़िम्मेदारियों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

सवैधानिक पीठ के विरोध में चीफ जस्टिस को पत्र, बार एसोशिएशन ने दी बेंच बहिष्कार की चेतावनी

काठमांडू

नेपाल के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) डा. मनोज कुमार शर्मा द्वारा वरिष्ठ न्यायाधीशों को दरकिनार कर कनिष्ठ न्यायाधीशों को संवैधानिक पीठ में शामिल किए जाने के फैसले के विरोध में नेपाल बार एसोसिएशन ने बेंच बहिष्कार की चेतावनी दी है।

संवैधानिक पीठ के गठन में चली आ रही परंपरा के तहत वरिष्ठ न्यायाधीशों को शामिल कर एकरूपता कायम करने की मांग करते हुए बार एसओशिएशन ने चीफ जस्टिस मनोज शर्मा का ध्यान आकर्षित कराया है। नेपाल बार एसोसिएशन ने प्रधानन्यायाधीश शर्मा को ध्यानाकर्षण पत्र भेजकर संवैधानिक इजलास के लिए दो में से किसी एक प्रक्रिया को अपनाने का सुझाव दिया है।

बार ने वरिष्ठता के आधार पर संवैधानिक पीठ के चार न्यायाधीशों का चयन करने का सुझाव

दिया है। यदि ऐसा संभव नहीं हो तो संवैधानिक पीठ के लिए निर्धारित न्यायाधीशों की सूची (रोस्टर) में शामिल न्यायाधीशों का चयन गोला प्रक्रिया के जरिए करने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने संपत्ति जांच बूझ आयोग से संबंधित करीब छह रिट याचिकाओं को संवैधानिक पीठ में भेजने का आदेश दिया है। इन याचिकाओं को संवैधानिक इजलास में पेश किए जाने के बाद चीफ जस्टिस ने चार कनिष्ठ न्यायाधीशों को शामिल कर संवैधानिक पीठ गठन करते हुए सुनवाई करने का निर्णय के बाद बार ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

बार के अध्यक्ष विजय मिश्र ने संकेत दिया था कि यदि सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने अपना निर्णय नहीं बदला तो वे इन मामलों में बहस–पैरवी के लिए जाने के लिए बाध्य नहीं होंगे। हालांकि, इन मामलों की पेशी की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

नेपाल के संविधान की धारा 137 में प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता में संवैधानिक इजलास के गठन की व्यवस्था की गई है। इसके तहत न्याय परिषद की सिफारिश पर प्रधानन्यायाधीश चार अन्य न्यायाधीशों का चयन करते हैं।

बार का कहना है कि उसने इससे पहले मौखिक रूप से अपनी मांगें रखी थीं, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। बार ने संवैधानिक इजलास के गठन को लेकर कई बार आपत्ति जताई है।

बार ने अपने ध्यानाकर्षण पत्र में कहा है कि अन्य इजलास में विचाराधीन मामलों को भी प्रशासनिक निर्णय के आधार पर संबंधित पक्षों की सहमति और संबंधित पीठ में चर्चा किए बिना संवैधानिक पीठ में भेजे जाने की खबरों से वह और अधिक गंभीर तथा दुखी है। बार का कहना है कि मामलों की प्रकृति के आधार पर न्यायाधीशों का चयन किए जाने से पीठ की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। ऐसे पीठ से किसी भी प्रकार का फैसला या आदेश आने पर विभिन्न प्रकार की आशंकाएं और प्रश्न पैदा होते हैं।

जेद्दा में धूमधाम से मनाया गया भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस

कॉन्सुल जनरल ने फहराया तिरंगा, राष्ट्रपति का संदेश पढ़ा

भारतीय समुदाय ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जेद्दा। भारत के महावाणिज्य दूतावास, जेद्दा ने 15 अगस्त 2026 को अपने परिसर में भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्साह और देशभक्तिपूर्ण माहौल में भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय समुदाय के लगभग 600 सदस्यों, दूतावास के अधिकारियों–कर्मचारियों और भारत के मित्रों ने भाग लिया।समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद महावाणिज्य दूत श्री फहद अहमद खान सूरी ने राष्ट्रीय

ध्वज फहराया और पुनः राष्ट्रगान गाया गया। महावाणिज्य दूत ने माननीय राष्ट्रपति के 80वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन का पाठ भी किया।

अपने संबोधन में महावाणिज्य दूत ने भारत की प्रगति और परिवर्तन की उल्लेखनीय यात्रा तथा 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर सामूहिक प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत–सऊदी अरब के बढ़ते रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख करते हुए सऊदी अरब में रह रहे 2.7 मिलियन भारतीय समुदाय के योगदान को दोनों देशों के बीच जीवंत सेतु बताया। उन्होंने दूतावास की शीघ्र, सुलभ और जन–केंद्रित सेवाओं की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

समारोह में भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन भी हुआ। इंटरनेशनल इंडियन स्कूल, जेद्दा के छात्रों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। स्वतंत्रता दिवस से पहले आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों का भोज भी आयोजित किया गया, जिसमें दूतावास की 'सात्विक आहार' पहल की भावना को शामिल किया गया।इस अवसर पर दूतावास में विशेष 'हर घर तिरंगा' प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें समुदाय के सदस्यों, अतिथियों और अधिकारियों ने भाग लिया। साथ ही 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें दूतावास के अधिकारी और भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 अगस्त 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 09:20 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रातः 09:09 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 04:25 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:17 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , भद्रा प्रातः 08:17 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निस्वार्थ सेवा से मानवता का संदेश दे रहा राधे-राधे ग्रुप : गोविंद केडिया

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गोविंद केडिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार निस्वार्थ भाव से निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा बिना किसी भेदभाव के कर रहा है, वह वास्तव में पूरे समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन है। राधे-राधे ग्रुप सेवा को किसी एक वर्ग या क्षेत्र तक सीमित न रखते हुए निरंतर मानव कल्याण की दिशा में कार्य कर रहा है। इसकी सेवा भावना हैदराबाद ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र को मानवता और सामाजिक संवेदना का संदेश दे रही है।

उन्होंने कहा कि समाज में जब संपन्न लोग जरूरतमंदों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर आगे आते हैं, तो इससे सेवा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान इसी सेवा संस्कार का प्रेरणादायी उदाहरण है।

कार्यक्रम में नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, भगतराम गोयल, जगन गुप्ता एवं गोविंद केडिया सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य एवं सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

मतदाता सूची में हर योग्य नागरिक का नाम सुनिश्चित करें: सीतक्का

महेश कुमार गौड़ बोले वोटर लिस्ट की जांच कर गायब नामों को अधिकारियों के संज्ञान में लाएं

निजामाबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार काम कर रहा है, ऐसा आरोप जिला प्रभारी मंत्री सीतक्का, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने लगाया। बुधवार को शहर के डुब्बा स्थित एमके फंक्शन हॉल में एसआईआर फेज-2 के तहत संयुक्त निजामाबाद जिला कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची की समीक्षा और योग्य मतदाताओं के नाम सुनिश्चित करने को लेकर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मंत्री सीतक्का ने कहा कि यदि प्रारूप मतदाता सूची में किसी योग्य व्यक्ति का नाम नहीं है तो यह प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह आवश्यक कार्रवाई कराए, ताकि किसी नागरिक के साथ अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की जांच गांवों, कस्बों, वार्डों और मतदान केंद्रों के स्तर पर की जानी चाहिए तथा लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर काम करने का आह्वान किया, ताकि प्रत्येक योग्य नागरिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सके। उन्होंने कहा कि मतदाताओं से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान किया जाए और लोगों को एसआईआर प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जाए।

हर बूथ पर ड्राफ्ट मतदाता सूची की जांच करें: महेश कुमार गौड़

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने कहा कि प्रत्येक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता को एसआईआर फेज-2 के तहत जारी प्रारूप मतदाता सूची की जांच करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की जांच मतदान केंद्र स्तर पर की जानी चाहिए। यदि किसी योग्य मतदाता का नाम सूची से गायब है तो उसकी पहचान कर संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाए।महेश कुमार गौड़ ने कांग्रेस के बूथ स्तर के नेताओं से समन्वय के साथ काम करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्रत्येक योग्य मतदाता को मतदान का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और पार्टी संगठन को इस मामले में पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए।

डॉ. सिद्धार्थ असवाल बने भाजपा राजस्थान चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक

नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं और चिकित्सा जगत में खुशी, नेताओं ने दी बधाई

बीकानेर, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीकानेर के जाने-माने मनोचिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ असवाल को भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की प्रदेश टीम में चिकित्सा प्रकोष्ठ का प्रदेश सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं और चिकित्सा जगत में खुशी की लहर है।

डॉ. असवाल की नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अनुशंसा पर चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रभारी विजेंद्र पूनिया द्वारा की गई है। नियुक्ति पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई, प्रदेश मीडिया प्रभारी दशरथ सिंह शेखावत, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष जालम सिंह भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष अखलेश सिंह, श्रीगंगानगर प्रभारी अनिल शुक्ला, बीकानेर शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

नेताओं ने उम्मीद जताई कि डॉ. असवाल के लंबे चिकित्सीय अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को मिलेगा। उनके नेतृत्व में चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अपनी नियुक्ति पर डॉ. सिद्धार्थ असवाल ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

साथ ही चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर आमजन की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ी मानव सेवा : राधे-राधे ग्रुप

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित वॉटर टैंक केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान सेवा संचालित की जा रही है। ग्रुप का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और सेवा भावना को मजबूत करना भी है। सदस्यों ने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा है और सेवा के इस कार्य से समाज के प्रत्येक वर्ग को जुड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब अनेक लोग विभिन्न परिस्थितियों के कारण दो वक्त के भोजन के लिए संघर्ष करते हैं, ऐसे में नियमित अन्नदान उनके लिए बड़ी राहत है। राधे-राधे ग्रुप सेवा को सामाजिक दायित्व मानते हुए निरंतर इस दिशा में कार्य कर रहा है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भवर्लाल गुप्ता, उमाकांत गुप्ता एवं कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

ग्रुप सदस्यों ने कहा कि सेवा का संकल्प तभी सार्थक है, जब वह निरंतर चलता रहे। इसी भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान की यह सेवा आगे भी जारी रहेगी।

नहरों में कचरा डालने वालों पर होगी कार्रवाई

बांसवाड़ा, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर निगम कमिश्नर ने नहरों में कचरा डालने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कचरे से पानी का बहाव बाधित होने के साथ सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कचरा डालने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा और बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। कमिश्नर ने लोगों और व्यापारियों से कचरा नगर निगम कर्मचारियों को देने तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

तस्वीरें इतिहास को सहेजकर रखती हैं : धनपाल सूर्यनारायण

निजामाबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेस फोटोग्राफर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में बुधवार को प्रेस क्लब में विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण ने कहा कि एक तस्वीर हजारों शब्दों के बराबर होती है। फोटोग्राफर केवल कैमरा ऑपरेटर नहीं, बल्कि समाज की महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक और जनसरोकार से जुड़ी घटनाओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजने वाला व्यक्ति है।

विधायक ने पत्रकारों के मकान और भूखंड की मांग को पूरा कराने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन, महासचिव भानुतेजा सहित प्रेस क्लब पदाधिकारी, वरिष्ठ फोटोग्राफर और पत्रकार मौजूद रहे।

पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन के सामने सीवर सफाई के निर्देश

पेद्दापल्ली, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गद्दम वामसी कृष्णा ने रेलवे स्टेशन के सामने सीवर और स्वच्छता की समस्या पर गंभीरता दिखाई है। उन्होंने नगर आयुक्त को तत्काल सीवर की सफाई कराने और सीवेज जमाव की समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए।

सांसद ने कहा कि स्टेशन पर रोजाना बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही होती है, ऐसे में आसपास गंदगी और सीवेज का जमाव उचित नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से जनस्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

चुनावी वादे पूरे करे कांग्रेस सरकार : भाजपा

बांसवाड़ा, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा कार्यालय में कांग्रेस के चुनावी वादों को लेकर वॉल पोस्टर जारी किए गए। भाजपा शहर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान छह गारंटियों का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद युवाओं, छात्रों और किसानों से किए वादे पूरे नहीं किए।

उन्होंने लंबित छात्रवृत्तियां जारी करने, युवाओं के लिए रोजगार कैलेंडर लागू करने तथा किसानों की कर्जमाफी और बोनस देने की मांग की। गंगारेड्डी ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर भाजपा के नेतृत्व में बड़े आंदोलन किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिला सचिव शंकर गौड़, पार्षद गजाला महेश, उमेश सहित भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किनवट में बस दुर्घटना में दो की मौत, हादसे की गहन जांच की मांग

किनवट, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के आर्मूर के पास गोविंदपुर में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में किनवट की दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुजाता अशोक नेम्मानीवार (55) और माधवी किरण तिरमनवार (48) के रूप में हुई है। हादसे में कुछ अन्य महिलाएं घायल भी हुई हैं।

बताया गया कि किनवट से करीब 50-60 महिलाएं दो निजी बसों से हैदराबाद स्थित श्री चिन्ना जीयर स्वामी के आश्रम में दर्शन एवं सत्संग के लिए रवाना हुई थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चलती बस का टायर फटने से दुर्घटना हुई। हालांकि वाहन की तकनीकी स्थिति, टायरों की गुणवत्ता, फिटनेस प्रमाणपत्र, नियमित रखरखाव और चालक की सतर्कता सहित हादसे के सभी कारणों की जांच की मांग की जा रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ नेता अशोक नेम्मानीवार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को ज्ञापन सौंपकर हादसे की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने वाहन मालिक, चालक और यात्रा आयोजकों की जिम्मेदारी तय करने की भी मांग की।

हादसे के बाद आश्रम से कथित तौर पर किनवट के श्रद्धालुओं से संबंध नहीं होने की बात कहे जाने पर मृतकों के परिजनों और श्रद्धालुओं में रोष है। नागरिकों ने कहा कि वर्षों से किनवट के श्रद्धालु आश्रम से जुड़े रहे हैं और यहां सत्संग व धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग लेते रहे हैं। ऐसे में घटना के बाद संवेदना व्यक्त करने के बजाय संबंध से इनकार करना उचित नहीं है।

नागरिकों ने मांग की कि हाईवे पर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था, वाहन की फिटनेस, आयोजकों की जिम्मेदारी और दुर्घटना के बाद घायलों को मिली तत्काल सहायता सहित सभी पहलुओं की गहन जांच की जाए। साथ ही भविष्य में धार्मिक एवं सामाजिक यात्राओं में यात्रियों की सुरक्षा के लिए सख्त नियम लागू करने की मांग की गई।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

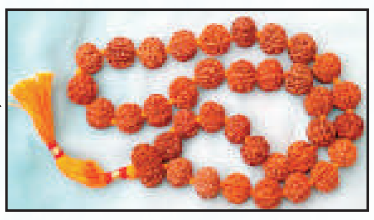

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।

- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- सप्तमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

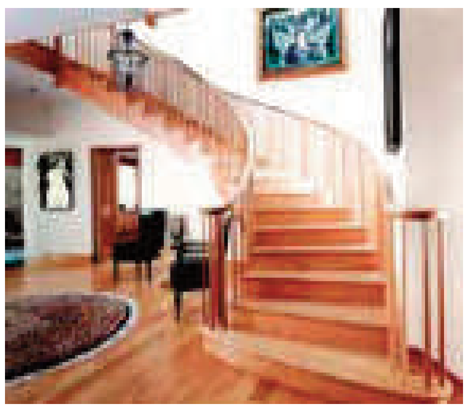

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती ।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अत: पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार

सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिएं। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अत: युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था।

वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, ''अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?''

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकटठे हो जाएंगे। अत: मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुटठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुन: उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, ''वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रेतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।''

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्फटिकों का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड. दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक ओर महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशुई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं।

कई पीढतिों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकडी, सेरेमिक व धातु में उपल्बध है। दो ड्रैगन का जोडा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये है। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकडी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ.ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा 'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मनाते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बीती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।'

क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई आदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

रोजाना की डाइट में शामिल करें सिंघाड़ा...

सिंघाड़ा पोषक तत्वों और लो कैलोरी के कारण सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है, इसीलिए केवल व्रत में ही नहीं बल्कि आमतौर पर भी रोज सिंघाड़ा खाएं। तिकोने आकार का हरे और लाल रंग का सिंघाड़ा अपने शानदार स्वाद और कड़कपन के कारण बेहद खास है। पानी में पाए जाने वाले सिंघाड़े को पानी फल के नाम से भी जाना जाता है। कई तरह की बीमारियों से बचने के लिए जिंक, पोटैशियम और विटामिन से भरपूर इस फल को हर किसी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। सिंघाड़े का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। कुछ लोग इसे कच्चा खाना पसंद करते हैं तो कुछ इसे उबालकर खाते हैं। कई जगहों पर इसे सब्जी के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता है। आइए इससे होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर: सिंघाड़े का इस्तेमाल अपनी रोजाना की डाइट में किया जा सकता है। इनमें उच्च मात्रा में पोषक तत्व जैसे विटामिन बी व सी, आयरन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस आदि की मौजूदगी और कैलोरी की कम मात्रा स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। भूख बढ़ाने के लिए भी यह फल एक बेहतर विकल्प माना जाता है। बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं के लिए तो यह बहुत गुणकारी है। इस फल में कई औषधीय गुण हैं, जिनसे शुगर, अल्सर, हृदय रोग, गठिया जैसे रोगों से बचाव हो सकता है।

पीलिया में फायदेमंद: सिंघाड़े में डिटॉक्सिफाइंग गुण पाए जाता है। यह शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में कारगर होता है। ऐसे में अगर किसी को पीलिया है तो सिंघाड़े का इस्तेमाल उसके लिए बहुत फायदेमंद होगा।

थायराइड ग्लैंड को सक्रिय करें: सिंघाड़े में आयोडीन और मैगनीज जैसे कई प्रमुख मिनरल होते हैं। यह थायराइड ग्रंथि के लिए आवश्यक तत्व है। इसलिए रोजाना इसे अपने आहार में शामिल करने से थाइराइड ग्रंथि की क्रियाशीलता लम्बे समय तक सही रूप में बनी रहती है।

अनिद्रा की समस्या से बचाएं: सिंघाड़े में पॉलीफिनॉलिक और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके अलावा ये एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-कैंसर गुणों से भी भरपूर होता है। इसके अलावा यह अनिद्रा की समस्या को दूर करने में भी सहायक होता है।

यूरीन इंफेक्शन को रोकें: सिंघाड़े के इस्तेमाल से यूरीन से जुड़ी कई समस्याओं में भी फायदा होता है। सिंघाड़े को कच्चा खाने या इस फल को जूस के रूप में लेने पर यह शरीर से हानिकारक विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और यूरीन संबंधी इंफेक्शन को रोकता है। इसलिए अगर आप यूरीन संबंधी इंफेक्शन से बचना चाहते हैं तो सिंघाड़े को अपने आहार में शामिल करें।

दस्त में लाभकारी: सिंघाड़ा शरीर को ठंडक प्रदान करने का काम करता है। यह प्यास को बुझाने में भी कारगर होता है, इसलिए दस्त होने पर इस मीठे, ठंडे और ठोस फल का सेवन करना बहुत फायदेमंद रहता है। यह मीठा, ठंडा और ठोस फल दस्त में भी लाभ पहुंचाता है साथ ही यह शरीर को शीतल रखकर लार का उत्पादन बढ़ाता है।

ब्यूटी मिनरल सिलिका कितना फायदेमंद...?

सिलिका हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण मिनरल में से एक है, जो हमारी हड्डियो को मजबूत बनाने और ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या को दूर करने में मदद करता है। यह प्राकृतिक रूप से हमारे नाखूनों में पाया जाता है। बच्चों में सुंदर और कोमल त्वचा और सही नाखून होने के कारण शरीर में सिलिका की उपस्थिति है। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ शरीर में इसकी मात्रा भी कम होने लगती है। इसलिए भोजन में सिलिका की मात्रा होना महत्वपूर्ण होता है। सिलिका मुख्य रूप से आलू, जौ, गेहूं की भूसी, बादाम, मूंगफली और जई में पाया जाता है। सिलिका कोलेजन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करता है। सौंदर्य में अद्भुत योगदान के कारण, इसे ब्यूटी मिनरल के रूप में जाना जाता है। यहां सिलिका के स्वास्थ्य और सुंदरता के लाभों में से कुछ के बारे में बताया गया है।

हड्डियों और जोड़ों के काम में सुधार करने में मददगार

सिलिकॉन हड्डियों और जोड़ो के रखरखाव और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है। यह कोलेजन की मात्रा में वृद्धि कर हड्डियों के लचीलेपन को उत्प्रेरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोलेजन एक ऐसा घटक है जो हड्डियों में प्रोटीन को रखता है। सिलिकॉन हड्डी के टूटने और डिस्लोकेशन के लगातार उपचार में सहायक होता है। यानी यह स्केलेटल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। सिलिका सप्लीमेंट जोड़ों के लचीलेपन में सुधार लाने में बेहद मददगार साबित होता है, क्योंकि यह संयोजी ऊतक को मजबूत बनाने में मदद करता है। सिलिका जोड़ों में दर्द और सूजन को कम करता है। यह लोच को बढ़ाने और जोड़, मोड़ और खिंचाव में मदद करता है।

सेल्युलाईट के इलाज में मददगार

शरीर में कोलेजन की कमी सेल्युलाईट का कारण बनता है। सिलिका कोलेजन से भरपूर होने के कारण लिग्मेंट और टेंडन को मजबूत बनाने और सेल्यूलाई को दूर करने में मदद करता है। एल्यूमीनियम विषाक्तता को रोकने के लिए शरीर में एल्यूमीनियम के संचय से एल्यूमीनियम विषाक्तता का परिणाम है। सिलिका में भारी मेटल को डिटॉक्स करने के गुण होते हैं, जो एल्यूमीनियम विषाक्तता के लिए एक शानदार उपाय के रूप में काम करता है। यह डिमेंशिया और अल्जाइमर रोग के जोखिम को कम करता है।

दुरुस्त रखता है पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम को

सिलिका और इसके सप्लीमेंट पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने और समुचित कार्य को विनियमित करने में मदद करता है। इसे बनाए रखने के लिए ऊतकों की भलाई में मदद करता है और पेट की सूजन को कम करता है। यह अल्सर, दस्त और कब्ज के इलाज में मदद करता है। सिलिका के अल्कालिजिंग गुण खराब खाने के कारण शरीर मे अम्ल बनाने लगता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है और बीमारी का कारण बनता है, इसके लिए सिलिका में मौजूद अल्कालिजिंग गुण महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा सिलिका एंटीबॉडी और एंटीजन बनाता है जो स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाल को बनाए रखने में आवश्यक होता है।

दिल के लिए अच्छा और घाव को जल्द भरें

सिलिका हृदय प्रणाली को स्वस्थ रखने वाला एक अनिवार्य तत्व है। यह धमनी पट्टिका पर प्लॉक निर्माण और बंद रक्त वहिकाओं को खोलने में मदद करता है। इसके अलावा यह घाव जल्द भरने में मदद करता है। सिलिका कोलेजन का एक हिस्सा है, इसलिए इसमें जबरदस्त चिकित्सा गुण होते है। जो घाव, जलन और निशान का इलाज करने में मदद करता है।

शरीर के हार्मोन को संतुलित करने में मददगार

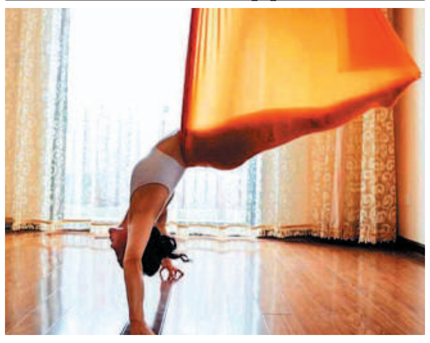

सिलिका टेंडन और अन्य संयोजी ऊतकों के कोलेजन के लोच को बनाए रखता है। यह दर्द को कम करने और शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा हार्मोनल संतुलन में मददगार होता है। सिलिका शरीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम के बीच एक उचित संतुलन को बढ़ावा देता है। यह शरीर में ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को रोकता है।

एंटी-एजिंग व मुंहासों को दूर करें

युवा और कोमल त्वचा पाने के लिए, आपको अपने आहार में सिलिका युक्त भोजन जैसे लाल बीट, ज्वार, बाजरा, जौ, आलू और ओट्स आदि को शामिल करना चाहिए। यह कोलेजन लोच को बनाये रखने में मदद करता है जिससे झुर्रियों रहती है। सिलिका शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाने में मदद करता है, जिससे कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाने और संयोजी ऊतकों के पुनर्निर्माण से मुंहासों को दूर करने में मदद मिलती है। यह त्वचा की बाहरी परत की कोशिकाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है।

हरी मेथी से सेहत को बनाएं हरा-भरा

मेथी के पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक गुण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन सी, नियासिन, पोटेशियम और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसमें डियोसजेनिन (diosgenin) तत्व भी पाया जाता है जो एस्ट्रोजन की तरह काम करता है। इस तत्व के कारण बहुमुखी मेथी स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होती है। अगर आपको कब्ज या पाचन से जुड़ी कोई भी समस्या है तो हरी मेथी आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। इसका सेवन करने से पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। हरी मेथी दिल की बीमारियों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मेथी पोटेशियम का सबसे अच्छा स्रोत होता है जो सोडियम के प्रभाव को कम करके दिल के हृदय गति और रक्त चाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह डायबिटीज रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मेथी में घुलनशील फाइबर रक्त में शुगर के सोखने की प्रक्रिया को कम करने में मदद करता है। मेथी जैसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। उसी तरह मेथी का इस्तेमाल आप सौंदर्य के लिए भी कर सकती है। इसका इस्तेमाल करने से ढीली पड़ती त्वचा में कसाव लाने का काम करता है इसके अलावा यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होती है। इसको पीसकर बालों में लगाने से बाल काले, घने और चमकदार हो जाते हैं।

शुरू कर सकते हैं खुद का कारोबार

पर्सलन स्टाइलिस्ट में बेहतर भविष्य खोज सकते हैं युवा

आजकल के युवा स्टाइल के मामले में किसी से भी कम नहीं वो अपनी लुक को बदलने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद लेते हैं, जिन्हें पर्सनल स्टाइलिस्ट कहा जाता है। आजकल की युवा पीढ़ी अपने कॅरियर को लेकर काफी जागरूक है। वो अपने कॅरियर का चुनाव बड़े ही सोच समझकर कर करते हैं। आप पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने में भी अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं। पर्सनल स्टाइलिस्ट का काम होता है लोगों का मेकओवर करना और लोगों के ड्रेसिंग सेंस को भी बढ़ाना।

फैशन जगत से रहें अपडेट

हर कॅरियर की शुरुआत करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपको लोगों के मूड, फैशन के बदलते ट्रेंड , ड्रेसिंग सेंस के बारे में, इसके लिए आपको हर दिन की फैशन जगत की अपडेट रखनी होगी।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए ज्यादा शिक्षा की तो नहीं बल्कि आपके पास डिग्री होनी जरूरी है और इस क्षेत्र में काम करने के लिए आप फैशन डिजाइनिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा, इसके अलावा आप फैशन, एंटरटेनमेंट, डिजाइनिंग वाले क्षेत्र में भी नौकरी पा सकते हैं।

गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ध्यान दें...

गाड़ी खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात यह है कि गाड़ी को अच्छी स्थिति में रखना। हम अक्सर कारों का इस्तेमाल लगभग हर दूसरे कामो में करते हैं लेकिन कभी इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि कारों की देखभाल भी बड़े ही अच्छे और प्यार से करनी चाहिए। गाड़ी की अच्छी देखभाल करने का एक सबसे आसन और सरल उपाय है यूजर मैन्यूअल। आपकी गाड़ी से सम्बंधित हर छोटी बड़ी बातें इस यूजर मैन्यूअल में रहती हैं। हम ज्यादातर यूजर मैन्यूअल पढ़ते भी नहीं ढंग से, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपको पता चलेगा कि कितनी काम की जानकारियां इस यूजर मैन्यूअल से हमें मिल सकती हैं। तो अगर आप खुद गाड़ी की देखभाल करना चाहते हैं और छोटी छोटी बातों के लिए गाड़ी को गैराज में नहीं ले जाना चाहते तो अपने गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर भी थोड़ा ध्यान दें।

ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जांच

गाड़ी को स्थिर कर खड़ा करें एक स्तर पर, फिर पार्किंग ब्रेक लगाएं और इंजन शुरू करें।अपने ट्रांसमिशन शिफ्टर को पोजिशन(पार्किंग) में रखें। इंजन को वैसे ही रहने दें। ट्रांसमिशन डीप स्टिक निकले। डीप स्टिक को एक साफ कपड़े से या फिर टिशू पेपर से पोछ लें, इसके बाद फिर डीप स्टिक को वापस जगह पे डाल दें। डालने के बाद फिर से निकालें और फ्लूअड लेवल चेक कर लें। अगर इंजन बंद है तो ये कोल्ड मार्क तक रहेगा। अगर गाड़ी चली है और गर्म है तो हॉट मार्क पर रहेगा। फ्लूअड कोलोर का भी ध्यान रखें।अगर ज्यादा गंदा है और खराब गंध आ रही है तो ट्रांसमिशन सही काम नहीं कर रहा है। इसे साफ और पारदर्शी रहना चाहिए। आप अपने गाड़ी की मैन्यूअल देख लें की इसे कब बदलने की जरूरत है। गाड़ी को कोई समतल जगह खड़े करें, इंजन बंद कर दें, थोड़ी देर रूकें कि इंजन आयल अपने स्तर पर आ जाए। इंजन की डीप स्टिक निकालें। इसे अच्छी तरह किसी सूखे कपड़े या फिर टिशू पेपर से पोछ के फिर वापस जगह पर डाल दें। अब इस डीप स्टिक को फिर से निकालें और इंजन आयल लेवल चेक करें। आमतौर पे ये फुल मार्क तक रहेगा, लेकिन ये अगर फुल मार्क के कुछ ज्यादा ही नीचे है तो फिर आपको इंजन आयल बदलने की जरूरत है। यह भी देख लें अगर इंजन आयल में ज्यादा कालापन आ गया है या फिर ज्यादा गन्दा हो गया है तो इसे तुरंत बदल दें।

इंजन कूलन्ट की जांच

इंजन कूलन्ट के कम होने पर इंजन-ओवरहीट हो जाता जो की इंजन की एक बहुत ही बड़ी समस्या है। इंजन कूलन्ट का स्तर लो और फुल मार्क के बीच में रहना चाहिए। अगर आप बार बार कूलन्ट डाल रहे हैं फिर भी टैंक में सही मात्र में कूलन्ट नहीं है तो हो सकता है कि कूलन्ट लीक हो रही हो।

रेसिपी

मूंग दाल सीख कबाब

सामग्री

1 कप पीली मूंग दाल, 1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 3 टेबल-स्पून कसा हुआ प्याज़, 2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट, 2 टी-स्पून चाट मसाला, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, चुपड़ने के लिए : घी

विधि

मूंग दाल को साफ करने के बाद और धोकर 1 कप पानी में दाल के नरम होने तक या सारा पानी सूख जाने तक उबाल लें। पकी हुई दाल को बचे हुए सामग्री के साथ अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांट लें और सीख (धातू के बने सीख) का प्रयोग कर, दाल मिश्रण के प्रत्येक भाग को उसमें फसांकर अपनी उंगलीयों से 100 मिमी (4) लंबे कबाब बना लें। हर एक कबाब पर थोड़ा तेल लगाएं और इन्हें कोयला या इलेक्ट्रिक बार्बेक्यू में उनके सभी तरफ सुनहरा होने तक पका लें (लगभग 3-4 मिनट के लिए)। हर एक कबाब के 2 टुकड़े काटकर गरमा गरम परोसें।

स्पिनॅच कोफ्तास्

सामग्री

कोफ्ते के लिए: 4 1/2 कप कटी हुई पालक, 4 ब्रेड स्लाईस, 1/2 कप चूरा किया हुआ पनीर, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 स्पून भुना हुआ बेसन, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, तलने के लिए : तेल, **पेस्ट बनाने के लिए:** 1/2 कप कटे हुए प्याज, 2 स्पून कसा नारीयल, 7 लहसुन कलियां, 2 हरी मिर्च, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , 2 खड़ा धनिया, 1 स्पून ज़ीरा, 2 स्पून चीरोंजी, 2 स्पून खस-खस, 1 अदरक, 2 स्पून हरा धनिया, **ग्रेवी के लिए:** 2 कप टमाटर, 1 स्पून लाल मिर्च, 2 स्पून तेल, 1 स्पून शक्कर, नमक, 2 स्पून क्रीम

विधि

कोफते के लिए: बर्तन भर पानी उबालें, पालक डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। छानकर, ठंडे पानी से धोकर रख दें। ब्रेड के किनारों को काटकर निकाल लें और चूरा कर लें। पालक और ब्रेड के चूरे के साथ सभी सामग्री को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 20 भाग में बांट ले और छोटे गोले बना लें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े कोफते डालकर सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें और एक तरफ रख दें। **ग्रेवी के लिए:** एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में 3 कप पानी उबालें और टमाटर डालकर मध्यम आंच पर 8 से 10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। हल्का ठंडा कर मिकसर में पीसकर मुलायम पल्प बना लें। एक तरफ रख दें। एक गहरी कढ़ाई या नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक भून लें। लाल मिर्च पाउडर, टमाटर का पल्प, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। क्रीम डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, ग्रेवी को दुबारा गरम कर लें। कोफ्ते डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

देशद्रोही हैं 'दिमागी नक्सल'

दरअसल 'दिमागी नक्सल' वे हैं, जो भारत के संविधान को नहीं मानते। देश में संसदीय प्रणाली के विरोधी हैं, लिहाजा संसद को खारिज करते हैं। वे भारत में न्यायपालिका को बुर्जुआ और बेईमान मानते हैं, लिहाजा न्याय की इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। उनका लक्ष्य था-2050 तक भारत की सत्ता पर काबिज होना, लेकिन यह स्वप्न भंग हो चुका है। बेशक उनके हाथों में हथियार नहीं हैं, लेकिन वे 'बैक डोर' से हिंसा-समर्थक हैं। वे अफजल गुरु, याकूब मेमन सरीखों को 'आतंकवादी' नहीं मानते, बल्कि उनकी मौत को 'न्यायिक हत्या' करार देते हैं। वे भारत में सत्ता और व्यवस्था बदलने के लिए विदेशी पैसा पाने के हिमायती हैं। वे उन हथियारबंद, वामपंथी-माओवादी आतंकियों के कट्टर समर्थक हैं, जिन्होंने 500 से अधिक स्कूल और 300 से अधिक अस्पताल बारूद से मिट्टी-मलबा कर दिए। वे उन हत्यारों के मानवाधिकारों के भी पैरोकार हैं, जिन्होंने 2004-25 के दौरान 8956 मासूम लोगों की हत्याएं कीं। मोदी सरकार के कालखंड में ही 2024 तक 516 सुरक्षाकर्मियों को 'शहीद' किया। वे उस मॉडल के समर्थक हैं, जिसमें 25,000 करोड़ रुपए की 'उगाही' का बंदोबस्त था। वे अफीम की खेती भी करते थे, यह खुलासा नीति आयोग (पूर्व में योजना आयोग) की रपटों में हुआ है। वे अच्छी सडक़ें, लंबे-चौड़े राजमार्ग और विकसित गांव बनाए जाने के प्रयासों के धुर विरोधी रहे हैं। क्या भारत सरकार में वित्त और गृह मंत्री रहे पी. चिदंबरम, दिल्ली के 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद महबूबा मुफ्ती खुद को इस जमात के प्रतिनिधि मानते हैं? चिदंबरम आज भी राज्यसभा सांसद हैं, क्या फिर भी वह संसदीय प्रणाली के विरोधी हैं? यदि ऐसा है, तो ऐसे नेताओं को राजनीतिक तौर पर खारिज किया जाना चाहिए। बहरहाल करीब छह दशक तक नक्सलवाद का 'हथियारबंद आतंकवाद' जारी रहा। कभी देश के 10 राज्यों के 136 जिलों में 'रेड कॉरिडोर' था, लेकिन इस 'सशस्त्र क्रांति' के बावजूद औसत किसान आज भी गरीब, कर्जदार है। आदिवासी आज भी जल, जंगल, जमीन के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन जमींदार वर्ग आज भू-माफिया बन चुका है। 'दिमागी नक्सल' किस क्रांति और सामाजिक बदलाव, समानता की बात करते रहते हैं? यकीनन नक्सलवाद का लगभग सफाया मोदी सरकार और देश की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन उसके दिमागी, वैचारिक, सोच के 'अवशेष' आज भी जिंदा और सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त के संबोधन में 'दिमागी नक्सल' का जो उल्लेख किया था, वह बेमानी नहीं है। 'दिमागी नक्सल' जानते हैं कि प्रधानमंत्री ने किन्हें चिह्नित किया था! ऐतिहासिक लालकिले से प्रधानमंत्री का संबोधन किसी राजनेता का नहीं, संपूर्ण भारत की प्रतिनिधि आवाज का संबोधन होता है।

भारत में न्यायपालिका को बुर्जुआ और बेईमान मानते हैं, लिहाजा न्याय की इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। उनका लक्ष्य था-2050 तक भारत की सत्ता पर काबिज होना, लेकिन यह स्वप्न भंग हो चुका है। बेशक उनके हाथों में हथियार नहीं हैं, लेकिन वे 'बैक डोर' से हिंसा-समर्थक हैं। वे अफजल गुरु, याकूब मेमन सरीखों को 'आतंकवादी' नहीं मानते, बल्कि उनकी मौत को 'न्यायिक हत्या' करार देते हैं। वे भारत में सत्ता और व्यवस्था बदलने के लिए विदेशी पैसा पाने के हिमायती हैं। वे उन हथियारबंद, वामपंथी-माओवादी आतंकियों के कट्टर समर्थक हैं, जिन्होंने 500 से अधिक स्कूल और 300 से अधिक अस्पताल बारूद से मिट्टी-मलबा कर दिए। वे उन हत्यारों के मानवाधिकारों के भी पैरोकार हैं, जिन्होंने 2004-25 के दौरान 8956 मासूम लोगों की हत्याएं कीं। मोदी सरकार के कालखंड में ही 2024 तक 516 सुरक्षाकर्मियों को 'शहीद' किया। वे उस मॉडल के समर्थक हैं, जिसमें 25,000 करोड़ रुपए की 'उगाही' का बंदोबस्त था।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के तौर पर डा. मनमोहन सिंह ने भी 13 अप्रैल, 2006 को 'अर्बन नक्सली' को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माना था। तत्कालीन गृहमंत्री शिवराज पाटिल ने भी 'अर्बन नक्सलियों' को 'लाल आतंकवाद' करार देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती माना था। 2004 और 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने गुप्त दस्तावेजों में 'अर्बन नक्सल' का जिक्र किया था। खुद चिदंबरम 30 नवंबर, 2008 से 31 जुलाई, 2012 तक भारत सरकार के गृहमंत्री रहे और 'लाल आतंकवाद' के खात्मे के लिए उन्होंने कुछ रणनीतिक अभियान भी शुरू कराए। सेना तक को उतारने पर विमर्श किए गए। कांग्रेस को तो 'दिमागी नक्सल' का कड़ा विरोध करना चाहिए, क्योंकि छत्तीसगढ़ में 'हथियारबंद नक्सलियों' ने एक ही बारूदी हमले में राज्य के पूरे कांग्रेस नेतृत्व को मौत के घाट उतार दिया था। आज कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों का विरोध कर रही है, अलग-अलग व्याख्याएं की जा रही हैं, जो आज प्रासंगिक भी नहीं हैं। बेशक 'दिमागी नक्सल' की जमात आज भी विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर के रूप में, एनजीओ में, पत्रकारिता में, यहां तक कि प्रख्यात सरकारी अस्पतालों में भी, लेखक-विचारक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में और बुद्धिजीवी वर्ग में मौजूद है। 'दिमागी नक्सल' होना मानसिक फैशनपरस्ती और बौद्धिक होने का लाइसेंस भी है। यह जमात आज भी नक्सलवाद को 'क्रांति' करार देती है।

कुछ अलग

फंदे से लटका सच

दया करुणा, ईमानदारी, सहनशीलता, नम्रता, परोपकार, क्षमाशीलता, सत्यनिष्ठा, प्रेम की रहस्यात्मक मौतों, हत्याओं, आत्महत्याओं की सूचनाओं का उत्सव मनाने वालों को सूचित करते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि कल सच अपने निवास पर नग्नावस्था में मृत पाया गया। सूत्रों का कहना है कि सच का नग्न शव उसके निवास में पंखे से लटका मिला। सोसाइटी के झूठे सच के प्रति झूठी हमदर्दी जताते उसको तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच करने से पहले ही उसे पूरी तरह मृत घोषित कर दिया। सच के निवास पर पहुंचे झूठों के सरदार ने सच की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते अपने शोक संदेश में कहा कि समाज से सच का जाना एक युग का जाना है। वे सच के अचानक निधन से बहुत आहत हैं। लेकिन वे जब तक जिंदा रहेंगे, उसमें तेल हो या न। उन्होंने अपने शोक संदेश में दुखी मन से कहा कि सच ऐसे समय में हमारे बीच से गया है, जबकि हमें उसकी बहुत जरूरत थी। समाज ने सच की मौत के बाद एक और अमानवीय मूल्य खो दिया। जुबान जुबान पर शान से रहता झूठ समाज में रहे या न रहे, पर मरने के बाद भी सच समाज के कण कण में विराजमान रहेगा। चाहे वह घुट घुट कर, डर डर कर ही क्यों न रहे। सच महान था। सच महान है। सच महान रहेगा। लेकिन महानों की समाज को जरूरत नहीं होती। उसे तो झूठ लूट वाले ही पूजनीय लगते हैं। उन्होंने सच की आत्मा की शांति के लिए भगवान से अपील की और सच के शव के पास पांच मिनट का सिर उठाकर मौन रखा ताकि मरने के बाद तो कम से कम सच की आत्मा को शांति मिले।

माओवादियों और नक्सलियों की समानांतर सत्ता नेपाल से लेकर आंध्र प्रदेश तक समानांतर सत्ता चलती थी

'दिमागी नक्सली' यानी सियासी तापमान ब़ढ़ाने वाले शब्द

प्रधानमंत्री द्वारा इन शब्दों के प्रयोग के पीछे दो वजहे साफ नजर आती हैं। दरअसल इस बहाने प्रधानमंत्री देश के उस वर्ग की तरफ दिलाना चाहते हैं, जिसकी नजर में उनकी और उनकी सरकार का हर कदम गलत और दकियानूसी है। दूसरी वजह, अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को नए उत्साह से भरना है, जो हालिया कुछ घटनाओं से किंचित निराश हैं। लालकिले की प्राचीर से देश के संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उस पर एक बार फिर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में यह बहुत जरूरी है कि हम दशकों पुरानी उन चुनौतियों को खत्म करें, जिन्होंने देश को पीछे रखा है। नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उन्होंने अनगिनत माताओं के युवा बेटों को छीन लिया और देश भर के परिवारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया।

लालकिले की प्राचीर से होने वाले प्रधानमंत्री के सालाना संबोधन पर चर्चाएं और बहसें होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री द्वारा प्रयुक्त दो शब्दों 'दिमागी नक्सल' ने चर्चाओं की तासीर बढ़ा दी है। ऐसा नहीं कि इन शब्दों के संजीदापन को प्रधानमंत्री नहीं जानते होंगे। प्रधानमंत्री द्वारा इन शब्दों के प्रयोग के पीछे दो वजहे साफ नजर आती हैं। दरअसल इस बहाने प्रधानमंत्री देश के उस वर्ग की तरफ दिलाना चाहते हैं, जिसकी नजर में उनकी और उनकी सरकार का हर कदम गलत और दकियानूसी है। दूसरी वजह, अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को नए उत्साह से भरना है, जो हालिया कुछ घटनाओं से किंचित निराश हैं। लालकिले की प्राचीर से देश के संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उस पर एक बार फिर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में यह बहुत ज़रूरी है कि हम दशकों पुरानी उन चुनौतियों को खत्म करें, जिन्होंने देश को पीछे रखा है। नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उन्होंने अनगिनत माताओं के युवा बेटों को छीन लिया और देश भर के परिवारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया। लगभग चार दशकों तक, नक्सलवाद ने भारत के बड़े हिस्सों और उसकी आबादी के एक बड़े हिस्से को अपनी गिरफ्त में रखा, बंदूक के दम पर शासन किया और संविधान की धज्जियां उड़ाईं। आज हथियारों वाले नक्सल से बड़ी चुनौती दिमागी नक्सली ज्यादा खतरनाक हैं, इससे देश को बचाना होगा। कभी देश के एक तिहाई हिस्से को लाल गलियारे के रूप में जाना जाता था। कभी माओवादियों और नक्सलियों की समानांतर सत्ता नेपाल से लेकर आंध्र प्रदेश तक समानांतर सत्ता चलती थी। उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों को ' पशुपति से तिरूपति तक ' के नाम से जाना जाता था। देश का गृहमंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह ने 31 मार्च तक देश को लाल गलियारे से मुक्त कराने का वादा किया था। अमित शाह की दोहरी रणनीति के चलते यह गलियारा अब नक्सली हिंसा और आतंक से मुक्त हो चुका है। इसे संयोग कहें या कुछ और, जिस वक्त लाल किले से प्रधानमंत्री देश को संबोधित कर रहे थे, उसी वक्त लाल गलियारे वाले उड़ीसा के मलकानगिरी और छत्तीसगढ़ के बस्तर के कई गांवों में पहली बार तिरंगा लहरा रहा था। उन तिरंगों को सलामी देने वालों में वे लोग भी भारतीय संविधान के तहत हासिल पुलिस या होमगार्ड की वर्दी में शामिल थे, जो हाल के दिनों तो इन इलाकों में भारतीय संविधान को नहीं मानते थे, जिनका मानना था कि सत्ता बारूद से निकलती है। अब भी उनके हाथों में बंदूकें हैं, जिनके ट्रिगर पर अब भी उनकी ही उंगलियां हैं,लेकिन अब वे भारतीय संविधान की मर्यादा से बंध चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बदलाव को रेखांकित किया

है, लेकिन उन्हें आशंका है कि समाज के विशेषकर बौद्धिक वर्ग में जो नक्सलवादी मानस के लोग हैं, उनसे निबटना आसान नहीं है। वैसे दिमागी नक्सली कोई नए शब्द नहीं है। करीब दशक भर पहले फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री ने इसी तरह अर्बन नक्सली शब्द का इस्तेमाल किया था। तब से वामपंथी हिंसा का विरोधी मानस इन शब्दों का खुलकर प्रयोग करता रहा है। वह मानता रहा है कि देश में जब भी अराजक परिस्थितियां बनती हैं, उसके पीछे अर्बन नक्सलियों की ही सोच काम करती है। कह सकते हैं कि दिमागी नक्सली शब्द ने उन्हीं शब्दों को नई पहचान दे दी है। देश का अधिसंख्य बौद्धिक समाज शायद ही इससे इत्तेफाक रखता हो, लेकिन अतीत में यह वर्ग 'दबाव समूह' के रूप में काम करता रहा है। छह अप्रैल 2020 को दंतेवाड़ा में घात लगाकर नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 75 और छत्तीसगढ़ पुलिस के एक सवाल को बारूदी सुरंगों से उड़ा दिया था। इस घटना के बाद देश का बड़ा वर्ग सदमे में था। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने नक्सलियों को सबक सिखाने के लिए सैनिक कार्रवाई करने की ठान ली थी। उस दौरान भी दिमागी नक्सलियों को विश्वविद्यालयों और दूसरे संस्थानों में चिन्हित करने की प्रक्रिया चली थी। लेकिन शहरों में वामपंथी उग्रवाद के समर्थक लोगों के प्रबल विरोध के चलते मनमोहन सरकार सैनिक कार्रवाई से पीछे हट गयी थी। हालांकि इस घटना के तीन साल एक महीने बाद 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में घात लगाकर नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तकरीबन समूचे नेतृत्व को उड़ा दिया था। भुक्तभोगी होने के बावजूद कांग्रेस की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने नक्सलियों को नेस्तनाबूद करने के लिए न तो ठोस रणनीति बना सकी और न ही रोक लगाने में कामयाब हुई। वह सिर्फ 'रोकथाम' की रणनीति पर चलती रही, लेकिन अमित शाह ने इसे बदलकर 'पूरी तरह खत्म करने' की रणनीति को अपनाया। इसके तहत, 'वामपंथी उग्रवाद' के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति बनाई गई। देश को नक्सल मुक्त करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के तहत संवाद, सुरक्षा और समन्वय पर जोर दिया। खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन किए जाने लगे। केंद्रीय और राज्य बलों के बीच बेहतर तालमेल बनाया गया और जरूरत के हिसाब से वित्तीय मदद के लिए खजाना खोला गया। इसके साथ ही मुख्यधारा में लौटने वाले नक्सलियों के पुनर्वास की व्यवस्था को भी जारी रखा गया। खुफिया जानकारी ही थी, कि बसवराजू, पतिराम मांझी, गणेश उइके और मिलिंद तेलतुंबडे जैसे कई बड़े माओवादी नेताओं को सुरक्षा बलों ने घेर कर ढेर कर दिया। सुरक्षा बलों के लगातार दबाव के चलते छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण हुए। इसका असर जल्द दिखने लगा। नक्सली हिंसा में 56 फीसद और जवानों की मौतों में 75 फीसद की कमी आई। आम नागरिकों के शिकार बनने की घटनाओं में भी 70 प्रतिशत की कमी आई। इसके चलते नक्सल-प्रभावित ज़िलों की संख्या 2014 के 126 की तुलना में 2026 में घटकर सिर्फ एक जिले तक सीमित हो गई है। सुरक्षा और विकास की साझी रणनीति के तहत सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ पुलिसिंग, कनेक्टिविटी, वित्तीय समावेश और आजीविका में लगातार निवेश किया, गया। इसके तहत 2014 के बाद नक्सली इलाकों में 594 थाने, 408 नए सुरक्षा कैंप और 12,211 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई गईं। इससे वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाक़ों में राज्य की मौजूदगी बढ़ी। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में संचार कनेक्टिविटी, बैंकिंग ढांचा, डाकघर,आईटीआई, कौशल विकास केंद्र और पुनर्वास नीतियों का जमकर विस्तार किया गया। इससे आर्थिक अवसर पैदा हुए और पूर्व माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहन मिला। लालकिले की प्राचीर से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इसे अपनी सरकार की उपलब्धि के रूप में गिनाया भी। हाल ही में सफल माने जा रहे काकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में पीछे से वामपंथी उग्रवाद समर्थक ताकतों के हाथ की चर्चाएं रहीं। बीस जुलाई के संसद मार्च के दिन हुई हिंसा के पीछे दिल्ली पुलिस पेशेवर अपराधियों के साथ ही वामपंथी संगठनों के हाथ को भी मान रही है। सरकार का मानना है कि हथियार बंद नक्सलियों को पहचानना और उनका मुकाबला आसान है, बनिस्बत समाज के बीच उनकी जैसी मानसिकता का सामना आसान नहीं है। वैसे विपक्षी दलों को एतराज है कि इस बहाने प्रधानमंत्री और उनकी सरकार का विरोध करने वालों को दिमागी नक्सली कहकर किनारे करने की कोशिश होगी। उनका तर्क है कि इसके जरिए लोकतंत्र की खासियत 'लोकतांत्रिक विरोध' के अधिकार को भी बाधित किया जा सकता है। फिर लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जिस तरह इन शब्दों को लेकर सरकार पर जवाबी हमला बोला है, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में ये दोनों शब्द चर्चा में ही नहीं रहेंगे, बल्कि सियासी तापमान को बढ़ाए रखने का बड़ा जरिया होंगे।

देश दुनिया से

परीक्षा की शुचिता और नौकरी की सुरक्षा: झारखंड की चुनौती

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं को लेकर पिछले पच्चीस दिनों से चला आ रहा छात्र आंदोलन अब एक नए और अधिक जटिल चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने छात्र आंदोलन के दबाव, परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और परीक्षा संचालन की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवालों के बीच जेएसएससी-सीजीएल, चैदहवीं जेपीएससी सहित टीडीपीएल से जुड़ी अनेक भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की है। सरकार ने वर्ष 2014 के बाद हुई नियुक्ति परीक्षाओं की जांच कराने और व्यवस्था में सुधार के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। इस फैसले से आंदोलनरत छात्रों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन इसके साथ ही पहले से चयनित होकर सरकारी सेवा में कार्यरत हजारों युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। यही विरोधाभास झारखंड के वर्तमान भर्ती विवाद को केवल परीक्षा घोटाले का मामला न बनाकर न्याय, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदना का गंभीर प्रश्न बना देता है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई 2026 से शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी के विरोध में था। छात्र विभिन्न परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच, संदिग्ध प्रक्रियाओं को निरस्त करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सोलह दिनों तक आमरण अनशन किया। सरकार की घोषणा के बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया, हालांकि कुछ छात्र अब भी केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग पर कायम हैं। सरकार ने आठ अलग-अलग अधिसूचनाओं के माध्यम से कुल 44 परीक्षाओं को रद्द करने की सूची जारी की है। यदि किसी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हुआ हो, संगठित धांधली हुई हो या चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गंभीर अनियमितता प्रमाणित हो, तो उस प्रक्रिया की जांच और आवश्यक होने पर परीक्षा रद्द करना स्वाभाविक रूप से जरूरी है।

सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता करने वाले लाखों युवाओं का विश्वास तभी कायम रह सकता है, जब उन्हें यह भरोसा हो कि उनकी मेहनत किसी दलाल, भ्रष्ट अधिकारी, परीक्षा संचालक या अनुचित साधन अपनाने वाले व्यक्ति के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। इसलिए छात्रों की पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था की मांग पूरी तरह जायज है। लेकिन समस्या उस समय गंभीर हो जाती है जब किसी परीक्षा में हुई सामूहिक अनियमितता के कारण उन अभ्यर्थियों को भी नौकरी से हटाने का फैसला किया जाता है जिनके विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किसी गलत आचरण का प्रमाण नहीं है। जेएसएससी-सीजीएल के चयनित कर्मचारियों का वर्तमान विरोध इसी मूल प्रश्न को सामने रखता है। दिसंबर 2023 में परीक्षा आयोजित हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के बाद सितंबर 2024 में परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। मामला न्यायालय तक पहुंचा और न्यायिक प्रक्रिया के बाद परिणाम घोषित किए गए। सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए और अनेक लोग सरकारी सेवा में कार्यरत हो गए। अब पूरी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने से लगभग दो हजार चयनित कर्मचारी सीधे प्रभावित हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब 1975 लोगों की नियुक्तियां इस फैसले से प्रभावित हुई हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षा दी, सफलता प्राप्त की, नियुक्ति पत्र पाया और सेवा में योगदान किया। यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी जांच हो, लेकिन सभी चयनित अभ्यर्थियों को दोषी मानकर नौकरी से हटाना न्यायसंगत नहीं है। सरकारी नौकरी मिलने के बाद अनेक युवाओं ने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऋण लिया, मकान या अन्य आवश्यकताओं के लिए वित्तीय जिम्मेदारियां उठाईं और अपनी दूसरी नौकरियां छोड़ दीं। उनके जीवन की योजनाएं नियमित वेतन और सरकारी सेवा की स्थिरता पर आधारित हो गईं। हटाए गए कर्मचारियों की पीड़ा और नाराजगी को भी उसी गंभीरता से सुना जाना चाहिए, जिस गंभीरता से छात्रों की शिकायतें सुनी गईं। यहां मूल सवाल यह है कि परीक्षा में अनियमितता और अभ्यर्थी की व्यक्तिगत संलिप्तता के बीच अंतर कैसे किया जाए। यदि किसी अभ्यर्थी ने पेपर खरीदा, नकल की, अनुचित साधन अपनाया या किसी दलाल के माध्यम से लाभ प्राप्त किया, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिसने बिना किसी सिद्ध कदाचार के परीक्षा दी, परिणाम में सफल हुआ और नियुक्त होकर सेवा कर रहा है, उसके मामले में केवल परीक्षा प्रक्रिया की खामी को आधार बनाकर सामूहिक दंड देना न्याय के सिद्धांतों पर प्रश्न खड़े करता है। दोषी को बचाना अन्याय है, लेकिन निर्दोष को दंडित करना भी उतना ही बड़ा अन्याय है। सरकार को इसी संतुलन की कसौटी पर अपने निर्णय को परखना होगा। राज्य सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे आंदोलनरत छात्रों के विश्वास को बनाए रखना है और दूसरी ओर हटाए गए कर्मचारियों के अधिकारों तथा आजीविका की रक्षा का रास्ता तलाशना है। केवल परीक्षा रद्द कर देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। सरकार को स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करानी होगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अनियमितता किस स्तर पर हुई।

आप का नज़रिया

अफसरों की कतरब्यौंत

सरकार अपने साइज के नियंत्रण में अगर व्यवस्था के मानदंड बदल रही है, तो इसे प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से देखना होगा। नौकरशाही से अफसरशाही तक कई अनावश्यक पद या पदों का बोझ सीधे बजट से उलझ रहा है, तो इस फैसले की आमद से निश्चित रूप से सोच बदलेगा। इससे पहले धूमल सरकार ने आईएएस अधिकारियों के मंजूर पद घटाए थे, तो अब सुक्खू सरकार 153 से संख्या घटाकर 130 आईएएस अधिकारी करने जा रही है। इसके अलावा आईपीएस तथा आईएफएस अधिकारियों की संख्या भी कम करने का रास्ता चुना जा रहा है। सरकार का अनुमान है कि भारतीय प्रशासनिक सेवाओं से अफसर घटा कर ही दो सौ करोड़ बचेंगे। मुख्यमंत्री ने नौकरी के रैंक घटाने की दूसरी कोशिश एचआरटीसी के स्ट्रक्चर में होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने डिपो के हिसाब से पद और पोस्टिंग का ऐसा खाका बनाने के निर्देश दिए हैं, जिसके तहत हर जगह डिपो का इंचार्ज आरएम स्तर का अधिकारी नहीं होगा। बेशक यह डिपो के रैंकिंग के हिसाब से होगा, तो कुछ अधिकारी कम होंगे। हमारा मानना है कि प्रदेश में कुछ डिपो कम कर देने चाहिएं। इन्हीं डिपो में से कुछ इलेक्ट्रिक कर देने चाहिएं। कुछ बस डिपो का औसत बसों के हिसाब से सही नहीं बैठ रहा है। उदाहरण के लिए एक ही दिशा में जोगिंद्रनगर, बैजनाथ, पालमपुर, नगरोटा बगवां के बाद अब कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो खोलने का औचित्य समझ से परे है। मात्र बीस किलोमीटर या इससे कम दूरी पर बस डिपो बनाए जाएंगे, तो घाटे की तस्वीर पर कोई रहम नहीं होगा। प्रदेश के कई विभागों में अवांछित पद केवल बजटीय बोझ डाल रहे हैं, अतः इनकी स्क्रीनिंग होनी चाहिए। इतना ही नहीं, कुछ वरिष्ठ अधिकारी शिमला के जमावड़े में केवल सजावटी बने हुए हैं। पुलिस विभाग की संरचना में क्राइम, कंट्रोल और प्रबंधन की दृष्टि से कुछ ओहदे प्रदेश भर में स्थानांतरित होने चाहिएं। इसी तरह हिमाचल के वर्गीकरण में कुछ शहरों की अहमियत से विभाग शिफ्ट होने चाहिएं। मसलन बीबीएन को आर्थिक राजधानी के तौर पर वित्तीय संस्थाएं वहां शिफ्ट होनी चाहिएं। कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के आसपास कृषि विभाग निदेशालय, जबकि बागबानी विश्वविद्यालय के समीप संबंधित विभाग का मुख्यालय होना चाहिए। स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला की समीपता में शिक्षा विभाग का मुख्यालय बनता है, तो यह शैक्षणिक माहौल को गरिमा प्रदान करेगा। सरकार के खर्चों को ढोते वाहनों की तादाद घटाने के उपायों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर सेवाओं के इस्तेमाल के अलावा वाहनों की पूलिंग हो सकती है। आवासीय बस्तियों से सरकारी कार्यालयों की आवाजाही के लिए अगर इलेक्ट्रिक वाहनों का कॉमन पूल बनाया जाए, तो खर्च के अलावा पर्यावरण का नुकसान भी बच जाएगा। अफसरशाही के संबोधन शिमला से राज्य के प्रमुख शहरों तक फिजूलखर्ची के सबब न बनें, इसके लिए हर विभाग को लक्ष्य देने होंगे। यहां वीरभद्र सरकार द्वारा विभागीय प्रबंधन के लिए एक बार एमबीए नियुक्ति का सोचा था, लेकिन यह व्यवस्था लागू नहीं हुई। निजी स्कूलों की सफलता में सबसे बड़ा कारण यह भी है कि वहां प्रबंधन की दृष्टि से एमबीए के टूल्स अप्लाई होते हैं। हिमाचल के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों व प्रमुख स्कूल-कालेजों को प्रबंधकीय दृष्टि से एमबीए डिग्री होल्डर्स को प्रॉडक्ट मैनेजर या वित्तीय प्रबंधक के रूप में अवसर प्रदान करने चाहिएं। शहरी व्यवस्था में भी एमबीए स्किल के लोगों के लिए विभिन्न पद सृजित करने की जरूरत है, जबकि मंदिरों की व्यवस्था को सशक्त करने के लिए एक केंद्रीय ट्रस्ट या मंदिर विकास प्राधिकरण गठित करने को स्वतंत्र-स्थायी काडर विकसित करना होगा।

मुख्यमंत्री ने नौकरी के रैंक घटाने की दूसरी कोशिश एचआरटीसी के स्ट्रक्चर में होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने डिपो के हिसाब से पद और पोस्टिंग का ऐसा खाका बनाने के निर्देश दिए हैं, जिसके तहत हर जगह डिपो का इंचार्ज आरएम स्तर का अधिकारी नहीं होगा। बेशक यह डिपो के रैंकिंग के हिसाब से होगा, तो कुछ अधिकारी कम होंगे। हमारा मानना है कि प्रदेश में कुछ डिपो कम कर देने चाहिएं। इन्हीं डिपो में से कुछ इलेक्ट्रिक कर देने चाहिएं। कुछ बस डिपो का औसत बसों के हिसाब से सही नहीं बैठ रहा है। उदाहरण के लिए एक ही दिशा में जोगिंद्रनगर, बैजनाथ, पालमपुर, नगरोटा बगवां के बाद अब कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो खोलने का औचित्य समझ से परे है। मात्र बीस किलोमीटर या इससे कम दूरी पर बस डिपो बनाए जाएंगे, तो घाटे की तस्वीर पर कोई रहम नहीं होगा। प्रदेश के कई विभागों में अवांछित पद केवल बजटीय बोझ डाल रहे हैं, अतः इनकी स्क्रीनिंग होनी चाहिए। इतना ही नहीं, कुछ वरिष्ठ अधिकारी शिमला के जमावड़े में केवल सजावटी बने हुए हैं। पुलिस विभाग की संरचना में क्राइम, कंट्रोल और प्रबंधन की दृष्टि से कुछ ओहदे प्रदेश भर में स्थानांतरित होने चाहिएं। इसी तरह हिमाचल के वर्गीकरण में कुछ शहरों की अहमियत से विभाग शिफ्ट होने चाहिएं। मसलन बीबीएन को आर्थिक राजधानी के तौर पर वित्तीय संस्थाएं वहां शिफ्ट होनी चाहिएं। कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के आसपास कृषि विभाग निदेशालय, जबकि बागबानी विश्वविद्यालय के समीप संबंधित विभाग का मुख्यालय होना चाहिए।

दृष्टि कोण

चादर से बाहर निकले पांव ही भ्रष्टाचरण की जड़

पूरे समाज में भ्रष्टाचार पर एक अजीब-सा खोखला आदर्शवाद पसरा हुआ है। भ्रष्टाचार पर बात करते हुए इंसान को स्वयं का भ्रष्टाचार नहीं दिखता है, लेकिन वह दूसरों के भ्रष्टाचार पर उंगली उठाता रहता है। भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर भाषणबाजी तो बहुत हो रही है, लेकिन हम भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए किसी भी तरह का प्रयास नहीं कर रहे हैं, बल्कि एक कदम आगे बढ़कर भ्रष्टाचार बढ़ाने में अपना सहयोग कर रहे हैं। सवाल यह है कि हमारे अंदर भ्रष्टाचार करने का भाव कैसे पैदा होता है? भ्रष्टाचार करते हुए हमें डर क्यों नहीं लगता है? क्यों हमारी आत्मा भ्रष्टाचार का विरोध नहीं करती है? ऐसा नहीं है कि हमें पता नहीं होता है कि भ्रष्टाचार करना गलत है, फिर हम क्यों भ्रष्टाचार के इस चक्रव्यूह में फंस जाते हैं? दरसअल, भ्रष्टाचार का मूल कारण लालच होता है। इंसान की प्रवृत्ति ही ऐसी है कि वह लालच को छोड़ नहीं पाता है। ऐसा नहीं है कि अभाव के कारण ही लालच की प्रवृत्ति पैदा होती है; जिन लोगों के पास सब कुछ होता है, वे भी लालची होते हैं। इसलिए लालच का अमीरी या गरीबी से कोई सीधा संबंध नहीं है। ऐसे इंसान भी होते हैं जो गरीब होने के बावजूद दूसरों के कल्याण की बात सोचते हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे इंसान भी हैं जो अमीर होने के बावजूद इस हद तक लालची होते हैं कि उन्हें सिर्फ अपना स्वार्थ ही दिखाई देता है। निस्संदेह, समाज पहले की अपेक्षा ज्यादा प्रगतिशील हो गया है, लेकिन हमारे समाज में लालच की प्रवृत्ति भी बढ़ती जा रही है। इसका अर्थ यह है कि पढ़ाई-लिखाई और प्रगतिशीलता हमारे लालच को खत्म नहीं कर पाई है। इसलिए पहले से ज्यादा शिक्षित समाज में न केवल भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, बल्कि भ्रष्टाचार के नए-नए तरीके भी खोजे जा रहे हैं। पुराने जमाने में लोग अनपढ़ या कम शिक्षित होते थे, लेकिन उस समय भ्रष्टाचार नहीं था। उस समय अनपढ़ या कम शिक्षित लोगों

ने सीमित संसाधनों में बड़े-बड़े संयुक्त परिवारों की जिम्मेदारी उठाई थी। 'जितनी चादर हो, उतने पैर पसारो' मुहावरा उन दिनों सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया जाता था। यही कारण था कि समाज के अंदर लालच की भावना बहुत कम थी। समाज में पाप और पुण्य का भाव भी था, इसलिए लोग गलत काम करने से डरते थे। आज धार्मिक कर्मकांडों और धार्मिक क्रियाकलापों में लोगों की संलिप्तता तो बढ़ी है, लेकिन इसके साथ भ्रष्टाचार भी बढ़ता जा रहा है। यह कटु सत्य है कि इस दौर में धर्म के नाम पर भी भ्रष्टाचार बढ़ा है। बड़े-बड़े मठाधीशों की जांच की जाए तो कई तरह के भ्रष्टाचार प्रकाश में आएंगे। अगर हम सच्चे अर्थों में धार्मिक हैं, तो हमारे मन में गलत भाव आने ही नहीं चाहिए। धार्मिक होने के बावजूद यदि हमारे मन में लालच पैदा हो रहा है, तो फिर हम धार्मिक कहां हुए? भ्रष्टाचार भी कई तरह के होते हैं। कुछ भ्रष्टाचार हमें ऊपर से दिखाई दे जाते हैं, लेकिन कुछ भ्रष्टाचार ऊपर से दिखाई नहीं देते हैं। हम अक्सर आर्थिक भ्रष्टाचार पर ही अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन एक नैतिक भ्रष्टाचार भी होता है। स्वयं यह देखा है कि यदि आप मंदिर में मुरमुरे का प्रसाद लेकर पंडित जी के पास जाते हैं, तो आपके साथ सामान्य व्यवहार होता है; इसके विपरीत, यदि आप देसी घी के लड्डू प्रसाद के रूप में पंडित जी को सौंपते हैं, तो आपके साथ विशिष्ट व्यवहार किया जाता है। यह भेदभाव भी एक तरह का नैतिक कदाचार ही है।

अपनी यूथ एकेडमी से मोटी कमाई भी कर रहा रियल मैड्रिड , आर्टेगा को रिकार्ड कीमत पर बेचा

मैड्रिड

स्पेन का दिग्गज फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड अपनी यूथ एकेडमी से भविष्य के स्टार खिलाड़ी तैयार करने के साथ ही भारी भरकम मुनाफा भी कमा रहा है। रियल ने हाल ही में इस एकेडमी से निकले 19 साल के सी-टीम के खिलाड़ी जैकोबो आर्टेगा को आरसी स्ट्रासबर्ग को रिकार्ड कीमत पर बेचा है। इस सौदे से रियल को काफी लाभ हुआ है जिससे वह अपनी टीम को और बेहतर बना सकता है।

सोम को हुई सोदे में स्ट्रासबर्ग ने आर्टेगा को 10 मिलियन यूरो (लगभग 11.6 मिलियन अमेरिकी डालर) में बेचा है। यह रियल मैड्रिड के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी की अब तक की सबसे महंगी बिक्री है जिसने कभी क्लब की फर्स्ट टीम के लिए नहीं खेला। गौरतलब है कि पिछले सत्र में यूथ लीग में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल दागने वाले आर्टेगा, 2018 में 12 साल की उम्र में क्लब में शामिल हुए थे और आठ सत्र तक यूथ एकेडमी में बने रहे थे। क्लब की वेबसाइट ने इस ट्रांसफर की पुष्टि करते हुए कहा कि, रियल मैड्रिड सीएफ और आरसी स्ट्रासबर्ग अलसैस हमारे खिलाड़ी जैकोबो आर्टेगा के ट्रांसफर के लिए तैया हैं। वह 2018 में 12 साल की उम्र में रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे और आठ सत्र से हमारी यूथ एकेडमी का हिस्सा रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार आर्टेगा ने स्ट्रासबर्ग के साथ पांच साल का अनुबंध किया है। यह गौरतलब है कि स्ट्रासबर्ग का स्वामित्व ब्लूको के पास है, जो प्रीमियर लीग टीम चेल्सी का भी मालिक है। आर्टेगा अकेले नहीं हैं जिन्होंने रियल मैड्रिड ने बेचकर पैसा कमाया है। क्लब ने इससे पहले अपनी यूथ टीम के अन्य खिलाड़ियों, जैसे गोंजालो गार्सिया और सीजर पालासियोस की बिक्री से भी तकरीबन लगभग 50 मिलियन यूरो कमाए थे। इसके अतिरिक्त, रियल मैड्रिड ने विक्टर मुनोज के ओसासुना से लिवरपूल में जाने पर सेल-आन राइट्स के तहत लगभग 20 मिलियन यूरो का अतिरिक्त लाभ भी हासिल किया। इन सभी डील्स को मिलाकर दिखाया जाये, क्लब ने इस ट्रांसफर विंडो में अपनी यूथ एकेडमी से कफी लाभ कमाया है। इससे साफ है कि मैड्रिड सिर्फ नए स्टार खिलाड़ियों को खरीदने में ही माहिर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं को विकसित करने और उन्हें मूल्यवान संपत्तियों में बदलने में भी उसका जवाब नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएल 2026: सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नंबर एक पर रहते हुए प्लेआफ के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। यहां जारी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 के तीसरे सत्र में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नंबर एक पर रहते हुए प्लेआफ के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं अन्य कोई भी टीम प्लेआफ में नहीं पहुंच पायी है। वहीं कुछ टीमें अंतिम चार में जगह बनाने की दौड़ में हैं। इस सत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन सेंट्रल दिल्ली किंग्स का रहा है। किंग्स ने अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने अब तक खेले गए 9 मैचों में से 8 में जीत हासिल की है और वह 16 अंक लेकर अंक तालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। वहीं, कुछ टीमों के लिए यह सीजन अच्छा नहीं रहा है। सेंट्रल दिल्ली किंग्स से हारने के बाद ईस्ट दिल्ली राइडर्स के प्लेआफ्स में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। गत वर्ष की विजेता राइडर्स इस बार 8 में से केवल एक मैच ही जीती है और उसके केवल 3 अंक हैं। इसके अलावा न्यू दिल्ली टाइगर्स भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है, वह इस सीजन में केवल एक मैच जीती है और उनके खाते में केवल 2 अंक हैं। इन दोनों टीमों के अभी दो-दो मुकाबले बाकी हैं, लेकिन इनका परिणाम इनकी प्लेआफ की संभावनाओं पर कोई असर नहीं डालेगा। अंक तालिका में सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बाद, पुरानी दिल्ली 6 टीम दूसरे स्थान पर है, जिसने 9 मैचों में 5 जीत और एक मैच का परिणाम नहीं आया। जिससे उसके 11 अंक हैं। तीसरे स्थान पर आउटर दिल्ली वारियर्स है, जिनके भी 11 अंक हैं, हालांकि उन्होंने पुरानी दिल्ली से एक मैच कम खेला है। इन दोनों टीमों के भी प्लेआफ्स के लिए क्वालीफाई करने की काफी संभावनाएं हैं। चौथे स्थान पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज टीम है, जिसने 8 में से 4 मैच जीते हैं और एक मैच का परिणाम नहीं आया। जिससे उनके खाते में 9 अंक हैं। पांचवें और छठे स्थान पर क्रमश: नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर और वेस्ट दिल्ली लायंस टीमें हैं, जिनके पास 7-7 अंक हैं। इन टीमों के लिए प्लेआफ में जगह बनाना अभी भी संभव है, लेकिन उन्हें अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे।

जिला क्रिकेट संघ ने अंडर-14 और 19 ट्रायल का कार्यक्रम जारी किया

रायगढ़। बीसीसीआई के निर्देश एवं छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की अनुमति के बाद जिला क्रिकेट संघ रायगढ़ ने नए क्रिकेट सत्र के लिए अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग के ट्रायल का कार्यक्रम जारी कर दिया है। दोनों वर्गों के ट्रायल आईटीआई कालेज ग्राउंड, बोईरदादर रोड में आयोजित होंगे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचंद्र शर्मा ने बताया कि ट्रायल के लिए पंकज बोहिदार, अभिषेक गुप्ता और जफर उल्लाह सिद्धीकी को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयनकर्ता खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतरिम टीम का चयन करेंगे। ट्रायल से पहले प्रतिदिन शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक जिला क्रिकेट संघ कार्यालय में खिलाड़ियों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए रोहित नामदेव के मोबाइल नंबर 9302982991 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को पंजीयन के लिए दो नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो, पिछले छह वर्षों की मूल शैक्षणिक अंकसूची, डिजिटल एवं मैनुअल जन्म प्रमाणपत्र, नवीनतम फोटोयुक्त आधार कार्ड, मूल पैन कार्ड तथा बैंक पासबुक अथवा कैंसिल चेक प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

हरभजन से प्रेरित होकर आफ स्पिनर बना : अश्विन

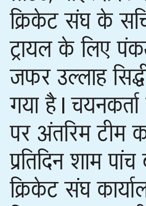

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन का कहना है कि वह शुरुआत में बल्लेबाजी करते थे पर दिग्गज आफ स्पिनर हरभजन सिंह से प्रेरित होकर स्पिन गेंदबाजी करने लगे। अश्विन के अनुसार वह हरभजन के इतने बड़े प्रशंसक थे कि उनके एक्शन की भी नकल करते थे। अश्विन ने कहा कि वह जूनियर क्रिकेट में खेलते समय पारी की शुरुआत करते थे पर जब साल 2001 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ बार्डर-गावस्कर ट्राफी में उन्होंने हरभजन सिंह की गेंदबाजी देखी तो वह इतने प्रभावित हुए कि स्पिनर बन गये। हरभजन ने उस सीरीज में अविश्वसनीय गेंदबाजी करते हुए टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, और यहीं से अश्विन के मन में आफ-स्पिनर बनने का जुनून पैदा हुआ। उस समय हरभजन की फिरकी से आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों सहम गये थे। अश्विन ने कहा हक वह शुरुआती दिनों में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में अंडर-19 क्रिकेट में खेलते थे। उस समय वह बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देते थे और कम गेंदबाजी करते थे पर जब भी मैं गेंदबाजी करते तो हरभजन की तरह ही करने का प्रयास करते।

गाले टेस्ट में भारत ने श्रीलंका को 165 रनों से हराया, सुथार के 10 विकेट और पडिक्कल के 211 रन

गाले (श्रीलंका)

भारतीय टीम ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने मेजबान टीम के सामने 372 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी 206 रनों पर सिमट गई। भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 211 रन बनाकर प्लेअर आफ दी मैच बने।

भारतीय टीम की इस जीत में स्पिन आलराउंडर मानव सुथार और बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का अहम योगदान रहा। सुथार ने जहां पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल करते हुए 10 श्रीलंकाई बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, वहीं पडिक्कल ने अपने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 रन और दूसरी पारी में 44 रनों की पारी खेली।

मुकाबले में भारत ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त मिली। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह श्रीलंका को 372 रनों का लक्ष्य मिला था। जवाब में मेजबान टीम 206 रन ही बना पाई।

इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

पांचवें दिन श्रीलंका ने 122 रन पर गंवाए छह विकेट

मैच के पांचवें और आखिरी दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 84/4 के स्कोर से आगे शुरू की। कप्तान धनंजय डी सिल्वा और सोनल दिनुषा ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। दोनों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए और टीम का स्कोर 140 रन के पार पहुंचाया।

इस साझेदारी को रवींद्र जडेजा ने तोड़ा। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा को मानव सुथार के हाथों कैच कराया। धनंजय ने 151 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 59 रन बनाए। श्रीलंका का छठा विकेट 156 रन के स्कोर पर गिरा। निरोशन डिकवेला 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने कुछ और रन जोड़े, लेकिन 199 के स्कोर पर एक के बाद एक तीन विकेट गंवा दिए। सोनल दिनुषा 128 गेंदों पर 84 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद प्रभाथ जयसूर्या और लाहिरू कुमारा खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। श्रीलंका का आखिरी विकेट केशरा नुवंता के रूप में गिरा, जिन्होंने 20 रन बनाए।

भारत ने दूसरी पारी में बनाए 193 रनभारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए थे। इस पारी में भारत की ओर से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रन का योगदान दिया।

श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने चार विकेट लिए, जबकि प्रभाथ जयसूर्या ने तीन, लाहिरू कुमारा ने दो और केशरा नुवंथा ने एक विकेट हासिल किया।

श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमटीइससे पहले श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। सोनल दिनुषा ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए निरोशन डिकवेला के साथ 146 रन की साझेदारी की। सोनल ने 100 रन बनाए, जबकि डिकवेला ने 80 रन का योगदान दिया। इनके अलावा कोई अन्य श्रीलंकाई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। भारत की ओर से मानव सुथार ने चार विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को तीन, जबकि मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। भारत की पहली पारी और पडिक्कल का शतकटास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 462 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 230 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 167 रनों की पारी खेली थी। केएल राहुल ने 175 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने 51 रनों का योगदान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने 39, यशस्वी जायसवाल ने 32 और मानव सुथार ने 24 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने चार विकेट लिए। केशरा नुवंथा ने तीन और असिथा फर्नांडो ने दो विकेट हासिल किए।

सचिन के नाम है सबसे अधिक टेस्ट स्थलों पर खेलने का रिकार्ड

मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम कई रिकार्ड है पर इसमें एक रिकार्ड सबसे अलग है। सचिन अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंनं अपनी करियर में 59 अलग-अलग मैदानों पर मैच खेले हैं। सचिन को संन्यास लिए एक दशक से अधिक हो गया पर कोई भी बल्लेबाज उनके इस रिकार्ड के करीब नहीं पहुंच पाया है। सचिन ने अपने 24 साल के लंबे टेस्ट करियर में कुल 59 विभिन्न मैदानों पर मुकाबले खेले, जो दुनिया के किसी भी अन्य खिलाड़ी से कहीं ज्यादा है। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट का 140 साल से भी अधिक पुराना इतिहास रहा है, जिसमें कई महान खिलाड़ियों ने दशकों तक क्रिकेट खेला है पर उनके नाम भी ये रिकार्ड नहीं है।

सचिन का यह कीर्तिमान उनकी अद्वितीय खेल भावना और लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर बने रहने का प्रमाण है। अपने लगभग 24 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने दुनिया के लगभग हर बड़े क्रिकेट खेलने वाले देश में अपने बल्ले का कमाल दिखाया है, जिसने उन्हें यह अनोखा मुकाम हासिल करने में मदद की। एक खिलाड़ी के लिए इतने लंबे समय तक फिटनेस और फार्म बरकरार रखना और इतने व्यापक स्तर पर अलग-अलग हालातों में खेलना एक बड़ी चुनौती होती है, जिसे सचिन ने पूरा किया। यही कारण है कि सचिन का यह रिकार्ड शायद ही कोई तोड़ पाये।

इस खास सूची में सचिन के बाद वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल का नाम आता है, जिन्होंने 58 अलग-अलग वेन्यू पर टेस्ट मैच खेले हैं, यानी सचिन से मात्र एक स्थल पीछे वह रहे। वहीं भारत के राहुल द्रविड़ ने 55 विभिन्न मैदानों पर खेलकर तीसरे स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड के जो रूट 52 वेन्यू के साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इसके अलाव भारत के पूर्व दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण और महान स्पिनर अनिल कुंबले ने भी 51-51 अलग-अलग मैदानों पर टेस्ट खेले हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्क बाउचर ने 51 स्थलों पर खेला हैं। 50 से अधिक वेन्यू पर खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, दक्षिण अफ्रीका के महान आलराउंडर जैक्स कैलिस और श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने शामिल हैं, जिन्होंने 50-50 मैदानों पर टेस्ट मुकाबले खेले हैं। यह रिकार्ड केवल आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सचिन के वैश्विक प्रभाव और खेल के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

भारतीय महिला हाकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा हराया

एमस्टेलवीन। भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच हाकी विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की है। इससे पूल डी में भारतीय टीम ने अपनी स्थिति भी मजबूत की है। दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ इस में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए विरोधी टीम पर दबाव बना दिया। वहीं इससे पहले के मैच में भारती टीम का मुकाबला चीन से 2-2 से बराकर रहा थ। दो मैचों में उसके कुल चार अंक हो गए हैं और गोल अंतर के आधार पर वह पूल में शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब भारतीय टीम का पूल का अपन अंतिम मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होगा। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टीम पर मैच की शुरुआती मिनटों से ही अपने हमले शुरु कर दिये। इसका लाभ भी उसे मिला सातवें मिनट में ही भारत को अपना पहला पेनाल्टी कार्नर मिला पर दीपिका उसे गोल में नहीं बदल पायी। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद और तेजी दिखायी इससे 11वें मिनट में साक्षी राणा के पास पर सुनेलिता टोप्पो ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

दोनों हाथों से स्पिन का कमाल, यूपी के विजय यादव ने बनाई अलग पहचान

लखनऊ

यूपी टी20 लीग सीजन-4 में गत चैंपियन काशी रुद्राक्ष की ओर से खेल रहे 24 वर्षीय विजय यादव अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली से बल्लेबाजों को चौंका रहे हैं। एक ही ओवर में दोनों हाथों से आसानी से स्पिन गेंदबाजी कराने की क्षमता रखने वाले विजय यादव ने हाल ही में अपनी पुरानी टीम गौर गोरखपुर लायंस के खिलाफ 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर काशी रुद्राक्ष को एक यादगार जीत दिलाई।

साल 2024 में लीग में पर्दापण करने वाले गोरखपुर के इस युवा स्पिनर को यूपी टी20 लीग 2026 के आक्शन में काशी रुद्राक्ष ने 5.2 लाख रूपये में अपनी टीम में शामिल किया था।

गोरखपुर के रहने वाले विजय के पिता पुलिस विभाग में सब-इंस्पेक्टर हैं और माता गृहणी हैं। अपने शुरुआती दिनों और दोनों हाथों से गेंदबाजी के विचार पर बात करते हुए विजय यादव ने बताया, मैंने 2012 में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। भारत की 2011 विश्व कप जीत ने मुझे बहुत प्रेरित किया कि मुझे भी देश के लिए कुछ बड़ा करना है। शुरुआत से ही मेरा बायां हाथ थोड़ा काम करता था। अमूमन दाएं हाथ के बल्लेबाज दाएं हाथ के गेंदबाजों पर ज्यादा हावी होते हैं, इसलिए मुझे उन्हें गेंदबाजी करने में थोड़ी दिक्कत आती थी। इसके बाद मैंने अपने बाएं हाथ पर काम करना शुरू किया और कड़ी मेहनत के साथ इस पर नियंत्रण हासिल किया।

दोनों हाथों से गेंदबाजी के शारीरिक तनाव पर विजय ने कहा, लोगों को टीवी पर यह बहुत आसान लगता है, लेकिन दोनों हाथों से एक जैसी सटीकता से गेंदबाजी करना बेहद कठिन है। इसके लिए मुझे दोनों हाथों से अलग-अलग दोगुनी मेहनत और प्रैक्टिस करनी पड़ती है।

निचले क्रम में आकर लंबे-लंबे छक्के लगाने वाले विजय यादव दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने कहा कि विराट कोहली मेरे आदर्श हैं। क्रिकेट को लेकर उनका जुनून, समर्पण, प्रेरणा और आक्रामकता देखना मुझे बहुत पसंद है। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

यूपी टी20 लीग के इस बड़े मंच ने विजय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। अपनी क्षमता के दम पर वे पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शीर्ष फ्रेंचाइजियों की नजरों में आ चुके हैं।

विजय ने बताया कि यूपी टी20 लीग एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। मुझे यहां अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिला है। मैं मुंबई इंडियंस के लिए ट्रायल दे चुका हूं और पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद ने भी मुझे ट्रायल के लिए बुलाया था। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की अंडर-19 और अंडर-23 टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके विजय यादव का लक्ष्य अब यूपी टी20 लीग में लगातार शानदार प्रदर्शन कर जल्द से जल्द इंडियन प्रीमियर लीग और भारतीय राष्ट्रीय टीम का टिकट हासिल करना है।

फार्मूला ई भारत में वापसी को उत्सुक, शहरों को इच्छाशक्ति दिखानी होगी : अल्बर्टो लोंगो

मुम्बई

भारत में एक बार फिर रेसिंग के शौकीनों को फार्मूला ई के मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। फार्मूला ई के सह-संस्थापक अल्बर्टो लोंगो ने कहा है कि आल-इलेक्ट्रिक विश्व चैंपियनशिप भारत में आयोजित की जा सकती है पर इसके लिए किसी भारतीय शहर को मेजबानी के लिए दावेदारी करनी होगी। गौरतलब है कि फार्मूला ई रेस की हैदराबाद ई-प्री के साथ भारत में शुरुआत हुई थी पर तेलंगाना में सरकार बदलने के साथ ही इसे दी गयी इजाजत रद्द कर दी गयी थी। लोंगो ने जोर दिया कि फार्मूला ई अब भी भारत में काफी संभावनां देखती है और अवसरों की तलाश में है।

गौरतब है कि भारत ने हैदराबाद में ई-प्री के साथ फार्मूला ई के वैश्विक कैलेंडर पर अपनी शुरुआत की थी, जिसने देश में मोटरस्पोर्ट्स के एक नए युग की शुरुआत हुई थी। यह रेस वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती पहचान और इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक थी।

हालांकि, तेलंगाना में सरकार में आये बदलाव के बाद इस रेस को भी बंद कर दिया गया था। वहीं लोंगो ने इस स्थिति पर अपनी निराशा व्यक्त की, लेकिन भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हम भारत वापस पहुंचना चाहेंगे, लेकिन दुर्भाग्य से अभी इसको लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं चल रही है। फार्मूला ई के लिए यह इतना महत्वपूर्ण बाजार है कि हम निश्चित रूप से वहां वापस जाना चाहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वापसी के लिए फार्मूला ई प्रतियोगिता की मेजबानी करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यह स्पष्ट संकेत है कि चैंपियनशिप सक्रिय रूप से भारत में एक नए मेजबान की तलाश में है जो आवश्यक समर्थन और बुनियादी ढांचा प्रदान कर सके।

लोंगो ने इस बात पर जोर दिया कि फार्मूला ई भारत में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया, हम आज एक साथ दुनिया भर के 80 से अधिक शहरों से बातचीत कर रहे हैं पर भारत से कोई भी हमसे संपर्क नहीं कर रहा है, और यही वह चीज है जिसे बदलने की जरूरत है। यह सीधा आह्वान है कि भारतीय शहरों या संबंधित हितधारकों को पहल करनी होगी और फार्मूला ई के साथ बातचीत शुरू करनी होगी ताकि इस रोमांचक खेल को फिर से भारतीय धरती पर लाया जा सके।

नेशनल चैंपियंस कप 2026 में शाहीन के सात विकेट से पाकिस्तान गोल्ड को मिली जीत

मुल्तान। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की आक्रामक गेंदबाजी से नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड ने पाकिस्तान ग्रीन्स को सात विकेट से हरा दिया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के लिए शाहीन को प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड भी दिया गया। शाहीन ने इस मैच में हैट्रिक के साथ ही कुल सात विकेट लिए। ग्रीन्स की पारी के 38वें ओवर में शाहीन ने तीन गेंदों पर मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनैन को आउट कर मैच पलट दिया। ओवर की पहली ही गेंद पर मुमताज को से एलबीडब्ल्यू आउट करने के बाद, उन्होंने मिर्जा को कैच कराया। अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए, शाहीन ने हसनैन को एक जबरदस्त यार्कर फेंकी जो सीधे उनके लेग स्टंप से जा टकराई, जिससे ग्रीन्स की बल्लेबाजी की कमर टूट गई। शाहीन ने अपने 8.3 ओवर में सिर्फ 36 रन देकर 7 विकेट लिए, जो फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में एक बड़ी उपलब्धि है। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन ने विपक्षी टीम पर जबरदस्त दबाव बनाया। पाकिस्तान ग्रीन्स 37.3 ओवर में मात्र 239 रन पर सिमट गयी। इससे पहले, टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने वाली पाकिस्तान गोल्ड ने शामिल हुसैन और साद खान के शानदार शतकों की बदौलत 50 ओवर में 340 रन बनाये थे। साद खान ने 102 गेंदों में तेज-तर्रार 112 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनके अलावा, शामिल हुसैन ने भी 93 गेंदों पर 111 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उतने ही चौके और छक्के जड़े।

मैसूर में 22 अगस्त को होगा वरिष्ठ जीवन साथी परिचय सम्मेलन

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज, अग्रवाल समाज मैसूर और अनुबंध फाउंडेशन, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 22 अगस्त को प्रातः 10 बजे से मैसूर के जे.एल.बी. रोड स्थित गुरु रेजीडेंसी में वरिष्ठ जीवन साथी परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, यह देश का पहला वरिष्ठ जीवन साथी परिचय सम्मेलन है, जिसमें अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, वैश्य, ब्राह्मण सहित सभी समाजों के 40 वर्ष या उससे अधिक उम्र के अविवाहित, तलाकशुदा, विधवा एवं विधुर महिला-पुरुषों को जीवन साथी चुनने का अवसर मिलेगा।

अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने बताया कि बदलती जीवनशैली और एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण वरिष्ठ नागरिकों में अकेलापन बढ़ रहा है। वहीं, इस विषय पर खुलकर चर्चा करने में समाज में अब भी झिझक है। इसी झिझक को दूर करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है।

मंत्री श्याम चौधरी ने बताया कि सम्मेलन के मध्यान्ह सत्र में समाज की वार्षिक बैठक आयोजित होगी। इस दौरान अग्रवाल रत्न सम्मान-2026 और महाराजा अग्रसेन सेवा गौरव सम्मान-2026 प्रदान किए जाएंगे। सह मंत्री महेश अग्रवाल ने समाज के लोगों से इस पहल से जुड़ने तथा जरूरतमंद परिचितों तक इसकी जानकारी पहुंचाने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक वरिष्ठ महिला-पुरुष इस सम्मेलन का लाभ उठा सकें।

श्री काशी बुग्गा मंदिर, किशनबाग में श्री साईं शर्मा महाराज द्वारा, विजय महाराज के नेतृत्व में श्री परशुराम युवा सेवा के अध्यक्ष लोकेश इंदौरिया का जन्मदिन के उपलक्ष्य में सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित की गईं।

कराची बेकरी का करखाना में नया स्टोर

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद की प्रतिष्ठित कराची बेकरी ने सेकंदराबाद क्लब के सामने, क्लब एम्पोरियो मॉल, करखाना में अपना नया स्थानांतरित स्टोर खोल दिया है। यह स्टोर बिस्कुट, चॉकलेट, केक, कैफे व्यंजन, स्नैक्स, सिंधी स्पेशलिटीज, मिठाइयाँ और लाइव कस्टमाइज्ड केक को एक छत के नीचे लेकर आया है।

नए स्टोर में करांची बेकरी के मशहूर ओस्मानिया बिस्कुट, फ्रूट बिस्कुट, कुकीज, पेस्ट्री, मिठाइयाँ, सिग्नेचर स्नैक्स, केक, चॉकलेट और हेल्दी चॉकलेट उपलब्ध हैं। साथ ही सिंधी खासियतों सहित कैफे फेवरेट्स और विभिन्न व्यंजन भी पेश किए जा रहे हैं। ग्राहक अपनी पसंद का कस्टमाइज्ड केक 30 मिनट में तैयार होते देख सकते हैं। चॉकलेट प्रेमी चोकोटिनी ब्रांड की हेल्दी चॉकलेट्स और रसबहार की पारंपरिक व आधुनिक मिठाइयाँ भी आजमा सकते हैं।लॉन्च इवेंट में अभिनेत्री श्रवंती चोकरोपु और जबर्दस्त वर्षा पहुँचीं। कराची बेकरी के राजेश रामनानी, हरीश रामनानी और विजय रामनानी ने कहा कि नया स्टोर ग्राहकों को और यादगार अनुभव देगा।

राहुल यादव बने भाजयुमो गोलकोंडा-गोशामहल जिला अध्यक्ष

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मनका राहुल यादव को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) गोलकोंडा-गोशामहल जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे वर्ष 2012 से भाजपा एवं भाजयुमो की संगठनात्मक गतिविधियों तथा सोशल मीडिया कार्यों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

राहुल यादव ने वर्ष 2018 से 2025 तक चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के भाजयुमो संयोजक के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद वर्ष 2025 से 2026 तक उन्हें गोलकोंडा जिला आईटी प्रभारी नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने आईटी एवं सोशल मीडिया से संबंधित संगठनात्मक गतिविधियों का दायित्व निभाया।

राहुल यादव को युवा संगठन, डिजिटल आउटरीच, आईटी तथा विधानसभा स्तर की राजनीतिक गतिविधियों का व्यापक अनुभव है। पिछले वर्षों में उन्होंने संगठन की विभिन्न जिम्मेदारियां संभाली हैं। अब भाजयुमो गोलकोंडा-गोशामहल जिला अध्यक्ष के रूप में वे पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

सेवा के संकल्प के साथ राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया। ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि भूखे को भोजन कराना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और करुणा की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, राजेश सर योगा, जगन गुप्ता एवं नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

तेलंगाना एंड आंध्र प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) के पूर्व अध्यक्षों और वर्तमान कार्यसमिति के सदस्यों ने हाइटेक्स में आयोजित हाईप्लेक्स-26 एक्सपो के सफल समापन पर प्रदर्शकों के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह के दौरान तापमा के पूर्व अध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रदर्शकों को सम्मानित करते हुए इस वृहद औद्योगिक मेले को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में उनकी भूमिका की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि प्लास्टिक और पॉलिमर उद्योग के नवीनतम नवाचारों, आधुनिक मशीनरियों और तकनीकों के प्रदर्शन ने इस एक्सपो को देश के प्रमुख व्यापारिक मंचों में से एक बना दिया है।

नाग पंचमी के पावन अवसर पर कार्बन क्षेत्र में श्री सरदार सर्वी पापन्ना गौड़ केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ओम व्यायामशाला, लल्लू उस्ताद अखाड़ा, बेगम बाजार के पहलवान गोपाल यादव विजेता रहे। इस अवसर पर भाजपा नेता दिनेश यादव, योगेश पहलवान, ठाकुर राज यादव, लक्ष यादव सहित बड़ी संख्या में पहलवान एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वंदे...

उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अलग कॉलम नहीं होने से सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इससे ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार जातीय जनगणना को ही विफल करना चाहती है।कांग्रेस महासचिव ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को इस मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जातीय जनगणना में इस तरह की स्थिति क्यों पैदा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को एक बार फिर प्रमुखता से उठाएगी।

अब राम ...

उत्पाद की सामग्री और विवरण वाले कॉलम में इन्हें 'राम मंदिर प्रसाद' बताया गया था। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के मुताबिक, ये उत्पाद 22 जनवरी 2024 को हुई राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से कुछ समय पहले ऑनलाइन सूचीबद्ध किए गए थे। मामले में 19 जनवरी को कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद अमेजन ने संबंधित लिस्टिंग हटा दी थी। यह शिकायत अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ने जनवरी 2024 में की थी। अमेजन ने अपने बचाव में कहा था कि वह केवल एक ऑनलाइन बाजार मंच है और उत्पाद की लिस्टिंग, कीमत तय करने, विवरण देने या बिक्री में उसकी सीधे तौर पर कोई भूमिका नहीं थी। कंपनी ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाले 'सुरक्षित आश्रय' संरक्षण का भी हवाला दिया। हालांकि, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अमेजन की दलीलों को खारिज कर दिया। प्राधिकरण ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 अलग-अलग कानूनी दायित्व निर्धारित करते हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि कोई ऑनलाइन बाजार मंच सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अपनी मध्यस्थ की स्थिति का हवाला देकर उपभोक्ता संरक्षण संबंधी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकता, खासकर तब जब वह अपने मंच पर होने वाले लेनदेन से व्यावसायिक लाभ कमा रहा हो।

चार उत्पादों से हुई केवल 39,802 रुपये की बिक्री

अमेजन ने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को बताया कि विवादित चारों उत्पादों की लिस्टिंग से कुल 39,802 रुपये की बिक्री हुई थी। इसमें अमेजन को 15,165 रुपये सेवा शुल्क के तौर पर मिले थे।

कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि पहले बताई गई 25.26 लाख रुपये की बिक्री इन चार उत्पादों की नहीं थी, बल्कि विक्रेता की सभी लिस्टिंग से हुई कुल सकल बिक्री थी।

प्रसाद के नाम पर बिक्री के लिए अब अनुमति जरूरी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अमेजन को निर्देश दिया है कि 'प्रसाद', 'प्रसादम', 'महाप्रसाद', 'भोग' या इसी तरह के धार्मिक प्रसाद के नाम से कोई उत्पाद तभी सूचीबद्ध किया जाए, जब उसके पास संबंधित धार्मिक संस्था की अनुमति का प्रमाणपत्र हो।

यह निर्देश 10 धार्मिक संस्थानों से जुड़े उत्पादों पर लागू होगा। इनमें राम जन्मभूमि मंदिर, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम, माता वैष्णो देवी श्राइन, काशी विश्वनाथ मंदिर और जगन्नाथ मंदिर समेत अन्य धार्मिक संस्थान शामिल हैं। प्राधिकरण ने अमेजन को विक्रेता और उसके शिकायत अधिकारी की पूरी जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया है। साथ ही धार्मिक नामों वाले उत्पादों की पहचान के लिए शब्द आधारित निगरानी व्यवस्था और ऐसे उत्पादों को तत्काल हटाने की व्यवस्था को मजबूत करने को कहा गया है।

प्राधिकरण ने अमेजन की ओर से बाद में किए गए सहयोग को राहत देने वाला कारक माना है। हालांकि, चेतावनी दी गई है कि भविष्य में ऐसी गलती दोहराए जाने पर कंपनी के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

चढ़ावा चोर...

चढ़ावा प्रकरण की जांच के बाद विशेष जांच दल की रिपोर्ट ट्रस्ट तक पहुंचने की बात सामने आई है। ऐसे में मंदिर व्यवस्था से जुड़े लोगों की भूमिका और आगे होने वाली कार्रवाई को लेकर भी नजरें बनी हुई हैं। इसी बीच चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र की बढ़ी सार्वजनिक सक्रियता तथा गोपाल राव की अयोध्या वापसी ने मंदिर के प्रशासनिक और संगठनात्मक समीकरणों को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इसी बीच बुधवार को ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने रामकोट की परिक्रमा की। परिक्रमा के दौरान उनका स्वागत भी किया गया। उन्होंने 21 अगस्त को रामकोट की परिक्रमा के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर परिक्रमार्थियों से चर्चा की।

परिक्रमा में विश्व हिंदू परिषद के कुछ पदाधिकारियों के अलावा पुजारी रमेश दास, आर. पी. पांडेय वैद्य सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इसी बीच बुधवार को गोपाल राव के दोबारा अयोध्या पहुंचने और राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद चंपत राय से उनकी मुलाकात ने भी चर्चाओं को हवा दे दी है।चढ़ावा प्रकरण सामने आने के बाद गोपाल राव 15 जुलाई को अयोध्या से बाहर चले गए थे। बाद में संघ स्तर पर उनके केंद्र और दायित्व में बदलाव की चर्चा भी सामने आई थी।करीब एक महीने बाद उनकी अयोध्या वापसी, रामलला के दर्शन और इसके बाद चंपत राय से मुलाकात को मंदिर व्यवस्था से जुड़े घटनाक्रम के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।राम मंदिर में चढ़ावा प्रकरण की जांच और उससे जुड़े घटनाक्रम के बीच प्रमुख चेहरों की बढ़ती सामाजिक एवं धार्मिक सक्रियता ने अयोध्या में राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक हलकों में चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

पाँच मंजिला...

अधिकारी की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट और होटल को जारी किए गए अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि मृतकों में भारतीयों के साथ बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं।घटनास्थल का दौरा करने के बाद मंत्री ने कहा कि इमारत की स्थिति बेहद खराब थी और उसमें कई होटल चल रहे थे। उन्होंने इमारत की सुरक्षा व्यवस्था और होटल संचालन से जुड़े नियमों की जांच की बात कही।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

आग लगने की शुरुआती वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारण का पता विस्तृत फोरेंसिक जांच के बाद ही चल सकेगा। मंत्री ने कहा कि इमारत के प्रबंधन की ओर से सुरक्षा और निर्माण से जुड़े जरूरी नियमों का पालन नहीं किया गया था। होटल संचालन में भी कई अनियमितताएं होने की बात सामने आई है।

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका: पुलिस

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि होटल में धुआं बहुत अधिक भर गया था। इसके कारण दमकलकर्मियों को सीढ़ियों के जरिए ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई। पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और फिलहाल इमारत को ठंडा करने का काम चल रहा है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल प्राथमिकता इमारत में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना और आग लगने के कारणों का पता लगाना है।

खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल अग्निशमन विभाग का मुख्यालय भी होटल के पास ही स्थित है।

पुलिस के अनुसार, होटल का मालिक फिलहाल फरार है। न्यू मार्केट थाने में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस होटल मालिक की तलाश में उसके घर पर भी छापेमारी कर रही है।

फिलहाल पुलिस आग लगने की पूरी परिस्थितियों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इमारत में अग्नि सुरक्षा और निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन हुआ था या नहीं।

विपक्ष की ...

आदेश भले ही रद्द हो गया हो, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने सरकार की प्रशासनिक सोच और विरोध प्रदर्शनों के प्रति उसके रुख पर सवाल जरूर खड़े कर दिए।

दिल्ली में समर्थन, चेन्नई में विरोध से परहेज

यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि कुछ समय पहले दिल्ली में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में कथित धांधली और प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्र जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे थे। उस दौरान मुख्यमंत्री विजय का रुख बिल्कुल अलग था।दिल्ली पुलिस द्वारा राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने पर विजय ने केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने सामाजिक माध्यमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताया और छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी मांगों पर ध्यान देने की बात कही।

लेकिन जब छात्र संगठन और वामपंथी दल तमिलनाडु के मदुरै, तिरुवन्नमलाई और चेन्नई में अपनी स्थानीय मांगों और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के विरोध में सक्रिय हुए, तो प्रशासन ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए प्रदर्शनों पर रोक लगाने की तैयारी कर ली।

यहीं से राजनीतिक विरोधाभास का सवाल खड़ा होता है। दिल्ली में जिस प्रदर्शन को लोकतंत्र का हिस्सा बताया गया, वही प्रदर्शन अपने राज्य की सीमा में पहुंचते ही प्रशासनिक चुनौती बन गया।

'बाबू' ...

मोबाइल फोन पर इस तरह के वीडियो देखने की बात भी जांच में सामने आने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस के अनुसार, एक दिन दोनों छात्रों को पैसे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद उनके माता-पिता की मौजूदगी में प्रिंसिपल रूपा रेड्डी ने दोनों की काउंसलिंग की थी। पुलिस का दावा है कि इसी घटना के बाद छात्रों के मन में रूपा रेड्डी के प्रति नाराजगी पैदा हुई।इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर यह अनुमान लगाया कि प्रिंसिपल के पास बड़ी रकम हो सकती है और पैसे हासिल करने की योजना बनाई।पुलिस के मुताबिक, दोनों छात्रों ने चोरी करने और विरोध होने की स्थिति में हत्या करने के तरीकों के बारे में इंटरनेट पर जानकारी तलाशने का भी प्रयास किया। इसके बाद वारदात के लिए चाकू, दस्ताने और मास्क खरीदे गए। पुलिस के अनुसार, 11 अगस्त की शाम करीब 5 बजे एक छात्र दीवार फांदकर रसोई के रास्ते घर में दाखिल हुआ, जबकि दूसरा बाहर निगरानी करता रहा। अंदर पहुंचने के बाद रूपा रेड्डी के विरोध करने पर एक छात्र द्वारा उन पर चाकू से हमला किए जाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, हमले में उनके पेट पर 27 वार किए गए। इसके बाद दोनों छात्र कथित तौर पर करीब 2.50 लाख रुपये नकद और रूपा रेड्डी का आईफोन लेकर वहां से फरार हो गए।पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद दोनों ने कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया चाकू और दस्ताने झाड़ियों में फेंक दिए तथा अपने कपड़े भी वहीं छोड़ दिए। इसके बाद चोरी की रकम लेकर दोनों स्कूल से दूर रहने लगे और पैसे खर्च करने लगे।लेकिन पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार पूछताछ के बाद मामले की कड़ियां दोनों छात्रों तक पहुंच गईं।

पुलिस के अनुसार, पेंड्लिपाकल से मल्लेपल्ली की ओर जाते समय दोनों छात्रों को हिरासत में लिया गया। उस समय उनके पास काफी नकदी थी। पुलिस का दावा है कि बरामद तीन नोटों पर रक्त के धब्बे भी मिले।

पूछताछ में दोनों ने कथित तौर पर रूपा रेड्डी की हत्या और इसके पीछे की वजह के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की।पुलिस के अनुसार, दोनों छात्रों के कब्जे से 1.56 लाख रुपये नकद, मृतका का आईफोन, हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और दस्ताने बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, फॉरेंसिक साक्ष्य, कॉल डाटा, टावर लोकेशन और अन्य सुरागों को जोड़कर मामले का खुलासा किया गया।

जांच ने उठाए कई गंभीर सवाल

स्कूल प्रिंसिपल की हत्या में नाबालिग छात्रों के कथित रूप से शामिल होने की बात सामने आने के बाद यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रह जाता। आसान पैसे की चाह, इंटरनेट पर आपराधिक सामग्री तक पहुंच, गलत संगत और बच्चों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियों को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिन छात्रों की कथित तौर पर प्रिंसिपल ने उनके माता-पिता की मौजूदगी में काउंसलिंग की थी, उन्हीं छात्रों पर बाद में उनकी हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप सामने आया है।हालांकि, दोनों आरोपी नाबालिग हैं और पुलिस द्वारा लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। उनके मामले में आगे की कार्रवाई किशोर न्याय कानून के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। पुलिस द्वारा बरामदगी और जांच में सामने आए साक्ष्यों को भी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान परखा जाएगा।

पुलिस का दावा है कि 70 सीसीटीवी कैमरों की जांच, करीब 80 संदिग्धों से पूछताछ और आधुनिक तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद इस चुनौतीपूर्ण मामले का खुलासा किया गया। अब मामले में आगे की जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

बच्चों को ...

परिवार में विवाद इतना बढ़ गया कि बुजुर्ग महिला को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा।इसके बाद मामला प्रशासन के पास पहुंचा। 15 नवंबर 2022 को उपजिलाधिकारी ने बेटे को मकान से बाहर करने का आदेश दिया। प्रशासन ने माना कि बुजुर्ग महिला को अपने घर में रहने का अधिकार मिलना चाहिए और उन्हें घर से बाहर रहने की स्थिति में नहीं रखा जा सकता।बेटे की ओर से इस आदेश को चुनौती दी गई, लेकिन 9 अगस्त 2023 को जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी के आदेश को बरकरार रखा। साथ ही बेटे और बहू को मकान खाली करने का आदेश दिया गया।बेटे और बहू ने उपजिलाधिकारी तथा जिलाधिकारी के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत गठित न्यायाधिकरण को वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से उसके बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों प्रशासनिक आदेशों को रद्द कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर न्यायाधिकरण बेदखली का आदेश दे सकता है।अदालत ने स्पष्ट किया कि कानून का उद्देश्य केवल बुजुर्गों के भरण-पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना भी है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2007 के कानून की धारा 7 के तहत भरण-पोषण न्यायाधिकरण बनाए गए हैं। धारा 8 के तहत उन्हें कुछ मामलों में सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां हासिल हैं।

वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को सीमित करती है। ऐसे में कानून के उद्देश्य को पूरा करने के लिए न्यायाधिकरण आवश्यक और सहायक आदेश जारी कर सकता है।अदालत ने माना कि यदि किसी वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति पर बेटे या बहू का कब्जा अथवा वहां उनका रहना बुजुर्ग की सुरक्षा और भरण-पोषण में बाधा बन रहा है, तो न्यायाधिकरण उनकी सुरक्षा के लिए बेदखली का आदेश जारी कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एस. वनिता बनाम डिप्टी कमिश्नर (2021) के फैसले का भी हवाला दिया। इसमें अदालत ने माना था कि वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर न्यायाधिकरण बेदखली का आदेश दे सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 20 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

किसानों तक समय पर ऋण पहुंचाएं बैंक: भट्टी विक्रमार्का

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने बुधवार को बैंकों से आह्वान किया कि वे तेलंगाना के 2034 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में सक्रिय भागीदार बनें। उन्होंने जोर दिया कि ऋण का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देना होना चाहिए।

महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में आयोजित 50वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बैंकों को केवल ऋण लक्ष्यों से अपना प्रदर्शन नहीं मापना चाहिए, बल्कि ऋण के विकास प्रभावकृषि उत्पादकता, ग्रामीण आय, उद्योगों और रोजगार में वृद्धिका आकलन करना चाहिए।

उन्होंने कहा, किसानों को ऋण के लिए बैंकों की तलाश नहीं करनी चाहिए, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था को ही किसानों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कृषि और डेयरी, मत्स्य पालन, बागवानी, ऑयल पाम तथा खाद्य प्रसंस्करण जैसे संबद्ध क्षेत्रों को समय पर ऋण देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बैंकों को वसूली पर ही ध्यान केंद्रित करने के बजाय किसानों की चुकौती संबंधी कठिनाइयों के कारणों की जांच करनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जून 2026 तक बैंकों ने कृषि क्षेत्र में 52,337 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में तेज ऋण वितरण की मांग की और कहा कि चालू तिमाही में सीजीटीएमएसई के तहत 16,265 प्रस्तावों को 4,463 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिया कि पात्र सीजीटीएमएसई ऋणों के लिए संपार्श्विक (कोलैटरल) की मांग न करें।

उन्होंने तेलंगाना राइजिंग 2047 ढांचे के तहत क्षेत्र-विशिष्ट ऋण रणनीति अपनाने का आह्वान कियासीयूआरई क्षेत्रों में एआई, लाइफ साइंसेज और स्टार्टअप्स के लिए उन्नत वित्तपोषण; पीयूआरई क्षेत्रों में विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचा वित्त; तथा आरएआरई क्षेत्रों में कृषि और ग्रामीण उद्योगों के लिए सस्ता ऋण।

उपमुख्यमंत्री ने वास्तविक वित्तीय समावेशन पर भी जोर दिया और कहा कि तेलंगाना में 19.13 लाख जन धन खाते शून्य शेष वाले हैं। उन्होंने बैंकों को गांवों में निष्क्रिय बिजनेस कॉरस्पोंडेंट्स को सक्रिय करने और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को उद्यम वित्त उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

भट्टी विक्रमार्का ने कृषि, एमएसएमई, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों, युवा रोजगार, हरित वित्त, डिजिटल समावेशन, बुनियादी ढांचे और उभरते उद्योगों के लिए वार्षिक लक्ष्यों वाला तेलंगाना राइजिंग 2047 बैंकिंग रोडमैप बनाने का प्रस्ताव रखा।

बैंकों का प्रदर्शन
(वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही)

एसबीआई, हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक श्री नीलेश द्विवेदी ने बैंकों का प्रदर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि तिमाही के दौरान कुल जमा राशि में 49,522 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई और कुल जमा 9,92,947 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल अग्रिम (ऋण) में 42,891 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई और यह 12,76,748 करोड़ रुपये हो गया। ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) 100 प्रतिशत से ऊपर बना रहा और तिमाही के अंत में 128.58 प्रतिशत दर्ज किया गया।

अल्पकालिक उत्पादन (फसल) ऋण: 20,069 करोड़ रुपये (खरीफ लक्ष्य का 34.51 प्रतिशत)

कृषि, संबद्ध, कृषि अवसंरचना और सहायक गतिविधियों में निवेश ऋण: 32,268 करोड़ रुपये (वार्षिक लक्ष्य का 38.36 प्रतिशत)

शिक्षा ऋण (प्राथमिकता क्षेत्र): 134 करोड़ रुपये

आवास ऋण (प्राथमिकता क्षेत्र): 1,402 करोड़ रुपये

एमएसएमई क्षेत्र: 91,374 करोड़ रुपये (वार्षिक लक्ष्य का लगभग 40 प्रतिशत)

कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण: 1,46,096 करोड़ रुपये (वार्षिक लक्ष्य का 33.66 प्रतिशत)

राज्य में 133.57 लाख प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खाते हैं, जिनमें से 112.44 लाख (84.18 प्रतिशत) आधार से जुड़े हैं तथा 92.36 लाख (69.14 प्रतिशत) खातों को रूपे कार्ड जारी किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 206.73 लाख ग्राहक पीएमएसबीवाई, 109.52 लाख ग्राहक पीएमजेजेबीवाई तथा 28.99 लाख ग्राहक अटल पेंशन योजना से जुड़े हैं।

वित्त प्रधान सचिव श्री संदीप कुमार सुल्तानिया ने बैंकों से तेलंगाना विजन 2047 को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और अपनी वार्षिक ऋण योजनाओं को इस विजन के अनुरूप बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य वर्तमान में 10-11 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और बैंकों को लक्षित ऋण के माध्यम से 13 प्रतिशत विकास दर हासिल करने में सहायता करनी चाहिए।

भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक श्री चिन्मय कुमार ने संशोधित लीड बैंक योजना के तहत जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) बैठकों में बैंकों के वरिष्ठ प्रतिनिधि नामित करने, ऋण-जमा अनुपात को ऋण उपयोग के स्थान पर रिपोर्ट करने, निष्क्रिय बिजनेस कॉरस्पोंडेंट्स को सक्रिय करने, महिलाओं बीसी की संख्या बढ़ाने तथा एमएसएमई क्लस्टर्स का डेटाबेस तैयार कर सभी पात्र इकाइयों को औपचारिक ऋण उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अतिदेय खातों के री-केवाईसी और दावा न किए गए जमा के निपटान को प्राथमिकता देने का भी आग्रह किया।

एसईआरपी की सीईओ सुश्री डी. दिव्या, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग की निदेशक सुश्री मनसा गंगोत्री कटा तथा नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री बी. उदय भास्कर ने भी बैठक में अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक का समापन एसबीआई तेलंगाना के उप महाप्रबंधक (एबीयू एवं जीएसएस) श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया तथा परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।पूजा-अर्चना में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार लाखोटिया, अजय कुमार अग्रवाल, भारत भूषण सेसैया, डॉ. गिरजा किशोर गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, सुरेंद्र मोहन, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए विजय कुमार अग्रवाल, एडवोकेट विनोद टिकमानी, श्रीनिवास वेंकटेश्वर राव, विजय लक्ष्मी, विजय लक्ष्मी रेड्डी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूजा के दौरान भक्तों ने भगवान गणेश के जयकारे लगाए और सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर ने श्रावण महोत्सव पर कराया रुद्राभिषेक एवं भव्य दीप उत्सव

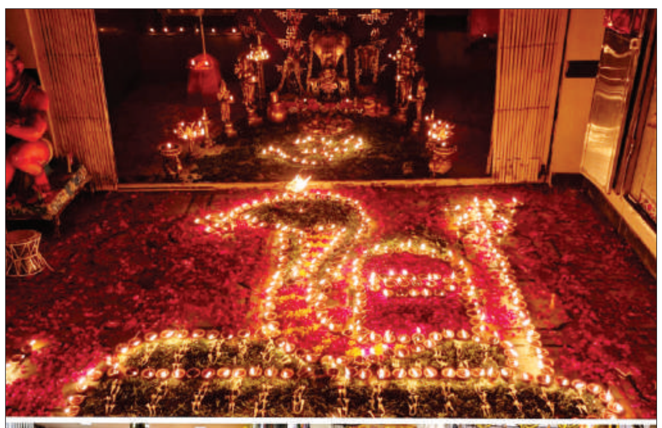

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर की ओर से श्रावण महोत्सव के तहत श्रावण मास के तीसरे सोमवार को श्रीराम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर जी महाराज के शिवालय में रुद्राभिषेक एवं भव्य दीप उत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया।

सोमवार, 17 अगस्त को शाम 7:31 बजे वेदाचार्य श्री वासुदेव जी महाराज के आचार्यत्व में विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। इस दौरान धर्मप्रेमी शिवभक्तों ने बारी-बारी से रुद्राभिषेक का लाभ लिया।

समाज के भजन गायकों ने मधुर भजनों एवं शिव स्तुति की प्रस्तुति दी, जिसका भक्तों ने आनंद लिया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा शिवालय गूंज उठा।

इस अवसर पर श्री विजय शंकर जी महाराज का दीपों से विशेष शृंगार किया गया। शिवालय परिसर में चारों ओर दीप ही दीप नजर आए और उनकी रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा। भक्तों ने दीप उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रात्रि 12:11 बजे आरती संपन्न हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने फराली प्रसाद का लाभ लिया।

आयोजन में रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, रामकुमार तिवारी, हरिकिशन ओझा, सत्यनारायण तिवारी, बाबूलाल जोशी, दीपक उपाध्याय, विनोद सारस्वत, नीरज उपाध्याय, कन्हैयालाल उपाध्याय, राधाकिशन उपाध्याय, दामोदर ओझा, रितेश ओझा, राजेंद्र नागला, श्यामसुंदर उपाध्याय, पापा भाई उपाध्याय (पांच मंजिल), लक्ष्मीनारायण व्यास, बांके बिहारी ओझा, पुरुषोत्तम उपाध्याय, आनंद तिवारी, श्यामसुंदर तिवारी, सुरेंद्र तिवारी (पापा), गणपत मामा, आदर्श जायलवाल, श्रीराम व्यास (अमलदार), बिटु उपाध्याय सहित समाज के अनेक बंधु एवं धर्मप्रेमी भक्त उपस्थित रहे।

आयोजन समिति ने सभी स्वजातीय बंधुओं एवं धर्मप्रेमी भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए चौथे श्रावण सोमवार एवं श्रावण महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित प्रसादी में समय पर पहुंचने का आग्रह किया। समिति ने बताया कि समापन कार्यक्रम में छप्पन भोग एवं छत्तीसों व्यंजनों का विशेष शृंगार दर्शन तथा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

विवेक जायसवाल ने संभाला ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (तकनीकी) का पद्भार

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन अनुसूची 'ए' मिनीरत्न श्रेणी-1 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा निदेशक (तकनीकी) का पदभार श्री विवेक जायसवाल ने संभाल लिया है।

श्री विवेक जायसवाल के पास दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन, प्रौद्योगिकी, व्यवसाय विकास और सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन का तीन दशकों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। वे ओएनजीसी, दूरसंचार विभाग (डीओटी) और बीएसएनएल में तकनीकी-प्रबंधकीय उत्कृष्टता वाले एक प्रतिष्ठित नेता रहे हैं।

श्री जायसवाल ने एसएटीआई विदिशा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन में बी.ई., आईआईएम लखनऊ से एमबीए तथा आईआईएम बेंगलुरु, आईआईएम अहमदाबाद और ईएससीपी यूरोप से कार्यकारी प्रबंधन क्रेडेंशियल हासिल किए हैं। उन्हें बीएसएनएल में प्रतिष्ठित विशिष्ट संचार सेवा पदक (विशिष्ट संचार सेवा पदक) से सम्मानित किया जा चुका है।

अपने करियर के दौरान श्री जायसवाल ने रणनीति एवं संचालन में असाधारण दक्षता का परिचय दिया है। उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के बड़े पैमाने के लाभ-हानि (पीएंडएल) पोर्टफोलियो का प्रबंधन किया है और हजारों कर्मचारियों वाले कार्यबल को रूपांतरित किया है। व्यवसाय विकास के क्षेत्र में उन्होंने उच्च-मूल्य वाले उद्यम विकास का नेतृत्व किया तथा सार्वजनिक क्षेत्र और बैंकिंग क्षेत्र के कई बड़े बहु-करोड़ रुपये के खाते हासिल किए। बड़े पैमाने की प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के निष्पादन में उनका सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसमें राष्ट्रव्यापी ऑप्टिकल फाइबर रोलआउट, मिशन-क्रिटिकल नेटवर्क और अगली पीढ़ी के दूरसंचार अवसंरचना का परिनियोजन शामिल है।

श्री जायसवाल रणनीति एवं संचालन, व्यवसाय विकास, प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार, बड़े पैमाने की परियोजनाओं का निष्पादन, लाभ-हानि प्रबंधन तथा हितधारक जुड़ाव में मजबूत क्षमताएं रखते हैं। प्रौद्योगिकी को स्केलेबल व्यावसायिक समाधानों में बदलने और जटिल बहु-हितधारक परियोजनाओं के प्रबंधन में उनका अनुभव ईसीआईएल के अगले विकास चरण में सहायक सिद्ध होगा। कंपनी अब स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स, नए उत्पादों, बाजार विस्तार और निष्पादन उत्कृष्टता पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी।

राज्य स्तरीय जिज्ञासा परियोजना में फलकनुमा के विद्यार्थियों की प्रभावी प्रस्तुति

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य स्तरीय जिज्ञासा परियोजना प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में राजकीय डिग्री कॉलेज, फलकनुमा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी परियोजना का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया।

विद्यार्थियों ने परियोजना के विभिन्न पहलुओं को तथ्यों, नवीन विचारों एवं रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया।

परियोजना के पर्यवेक्षक डॉ. बाबूराव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी शैक्षणिक एवं शोधपरक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सुनीता, लोकेश, ज्योति, नवीन, विनय एवं नईम सहित अन्य विद्यार्थी और संबंधित सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राचार्य ने कहा कि जिज्ञासा जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सई परांजपे के 'दरवल' से महका मोतियों का शहर

भाग्यनगर के रसिक हुए मंत्रमुग्ध

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मराठी साहित्य परिषद (मसाप), हैदराबाद के तत्वावधान में वरिष्ठ लेखिका, नाटककार और फिल्म निर्देशिका सई परांजपे के विशेष कार्यक्रम 'दरवल' (महक) का आयोजन किंगकोठी स्थित भारतीय विद्या भवन में किया गया। साहित्य, नाटक और सिनेमा की यादों से सजे इस कार्यक्रम ने हैदराबाद के रसिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई के सहयोग से मसाप, तेलंगाना राज्य, हैदराबाद द्वारा आयोजित इस साहित्यिक कार्यक्रम से मोतियों का शहर भाग्यनगर महक उठा। स्पर्श, चश्मे बद्दूर, कथा, दिशां, सकलोक जैसे फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने वाली सई परांजपे ने कार्यक्रम में अपने साहित्यिक सफर, नाटकों और फिल्मों के अनुभव साझा किए। उनके संवादों और किस्सों ने दर्शकों को हंसाया भी और सोचने पर भी मजबूर किया। 'दरवल' के माध्यम से उन्होंने अपने जीवन की सुगंध और यादों को मंच पर जीवंत कर दिया।

मराठी साहित्य परिषद तेलंगाना की अध्यक्ष डॉ. विद्या देवधर ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य मराठी भाषा और संस्कृति को हैदराबाद में बढ़ावा देना है। बड़ी संख्या में उपस्थित रसिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कार्यक्रम की सराहना की।

इस अवसर पर मसाप की अध्यक्षा के अलावा साहित्य कट्टा हैदराबाद के प्रशासक वेंकटेश कुलकर्णी, मराठी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य सुरेश दत्तात्रय कुलकर्णी, अरुण डवलेकर, उज्ज्वला धर्म, मीना देशपांडे आदि उपस्थित थे।

रेवंत रेड्डी पर कोंडा सुष्मिता का तीखा हमला

‘चुनौती दी तो रेवंत और उनके भाइयों के राज़ खोल दूंगी’

वारंगल, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस में पारकाला आगामी विधानसभा सीट को लेकर विवाद अभी से छिड़ गया है । मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पारकाला से चुनाव लड़ने का उनका फैसला तय है। जरूरत पड़ने पर वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी मैदान में उतरेंगी।

यह विवाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हालिया पारकाला दौरे के बाद सामने आया। दौरे के दौरान उन्होंने मौजूदा कांग्रेस विधायक रेवूरी प्रकाश रेड्डी को आगामी चुनाव में फिर से जिताने की अपील की थी। इस पर सुष्मिता ने सवाल उठाया कि चुनाव में अभी समय बाकी है तो उम्मीदवार को लेकर पहले से घोषणा कैसे की जा सकती है ? उन्होंने कहा कि कांग्रेस में टिकट का फैसला पार्टी हाईकमान करता है।

सुष्मिता ने अपने पिता कोंडा मुरली को लेकर भी रेवंत रेड्डी पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कोंडा दंपती ने रेवंत रेड्डी के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने से पहले उनका समर्थन किया था। उन्होंने कोंडा मुरली को विधान परिषद की सदस्यता देने के कथित आश्वासन का मुद्दा भी उठाया।

सबसे तीखी प्रतिक्रिया में सुष्मिता ने चेतावनी दी कि यदि उन्हें राजनीतिक रूप से चुनौती दी गई तो वह प्रेस क्लब में बैठकर रेवंत रेड्डी और उनके भाइयों से जुड़े कथित मामलों का खुलासा करेंगी। मीडिया रिपोर्टों में 200 करोड़ रुपये की कथित शेल कंपनी और जमीन से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

सुष्मिता ने कांग्रेस नेतृत्व पर पुराने नेताओं की उपेक्षा और बीसी नेताओं के साथ कथित भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए उनके पुराने कोडंगल चुनावी पराजय का भी उल्लेख किया।

सुष्मिता ने कहा कि वह पारकाला से ही चुनाव लड़ेंगी। सोशल मीडिया पर उन्हें ‘अपकमिंग पारकाला विधायक कोंडा सुष्मिता पटेल’ बताए जाने वाली पोस्ट भी चर्चा में है। मुख्यमंत्री की ओर से रेवूरी प्रकाश रेड्डी के समर्थन और सुष्मिता की दावेदारी ने कांग्रेस के भीतर राजनीतिक खींचतान बढ़ा दी है।

सुष्मिता के बयानों पर प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लू रवि ने आपत्ति जताई और अनुशासन की सीमा पार करने पर कार्रवाई का संकेत दिया। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने भी मामले की जानकारी मांगी है।

विवाद बढ़ने के बाद प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने मंत्री कोंडा सुरेखा को नोटिस जारी कर उनकी बेटी के बयानों पर स्पष्टीकरण मांगा है। रिपोर्टों के अनुसार उन्हें तीन दिन में जवाब देने को कहा गया है।

पारकाला सीट को लेकर यह विवाद अब केवल टिकट की दावेदारी तक सीमित नहीं रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कोंडा परिवार के बीच बढ़ती राजनीतिक दूरी ने कांग्रेस नेतृत्व के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब निगाहें पार्टी हाईकमान के अगले कदम पर हैं।

22-ए को लेकर व्यवस्था पर उठे सवाल तेलंगाना मे पारदर्शिता की मांग

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में जमीनों से जुड़ी धारा 22-ए की व्यवस्था को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस तेज होती दिखाई दे रही है। इस बीच आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू सरकार के कार्यकाल में लागू की गई 22-ए व्यवस्था और तेलंगाना में इसके इस्तेमाल के बीच समानता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश में 2016 के दौरान ब्लैकलिस्टेड और प्रतिबंधित श्रेणी की जमीनों के पंजीकरण से संबंधित आदेश जारी किए गए थे। बाद के वर्षों में धारा 22-ए के तहत जमीनों को प्रतिबंधित सूची में शामिल किए जाने को लेकर आम लोगों की ओर से कई शिकायतें और आपत्तियां सामने आती रही हैं।

वर्ष 2024 में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनने के बाद भी 22-ए सूची में शामिल जमीनों को लेकर विवाद और शिकायतें चर्चा में रहीं। जमीनों के पंजीकरण में दिक्कतों के कारण कई भूमि मालिकों को परेशानी होने की बात सामने आई। सरकार की ओर से प्रतिबंधित सूची की समीक्षा और पात्र जमीनों को उससे बाहर करने की प्रक्रिया की बात भी कही गई है।

इसी पृष्ठभूमि में तेलंगाना में 22-ए व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह है कि जिस व्यवस्था को लेकर पड़ोसी राज्य में लंबे समय से शिकायतें और विवाद सामने आते रहे हैं, उसे तेलंगाना में किस उद्देश्य और किन स्पष्ट मानकों के आधार पर लागू किया जा रहा है?

आम लोगों की सबसे बड़ी चिंता जमीनों के पंजीकरण और स्वामित्व अधिकारों को लेकर है। यदि किसी जमीन को प्रतिबंधित सूची में शामिल किया जाता है तो उसके पीछे स्पष्ट कारण, दस्तावेजी आधार और प्रभावित व्यक्ति को प्रभावी आपत्ति का अवसर मिलना जरूरी है। पारदर्शिता के अभाव में ऐसी व्यवस्था आम भूमि मालिकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

कुछ लोगों की ओर से अधिकारियों के स्तर पर संभावित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर भी आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है और बिना ठोस प्रमाण के किसी अधिकारी या सरकार पर अवैध वसूली का आरोप लगाना उचित नहीं होगा।

अब निगाहें सरकार के अगले कदम पर हैं। यदि तेलंगाना में 22-ए व्यवस्था लागू की जा रही है तो सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि इसके मानक क्या हैं, किन जमीनों को प्रतिबंधित श्रेणी में रखा जाएगा और आम नागरिकों को अपनी जमीन के संबंध में आपत्ति दर्ज कराने तथा समाधान पाने की क्या प्रक्रिया उपलब्ध होगी।

मुद्दा किसी एक सरकार या नेता का नहीं, बल्कि आम जमीन मालिक के अधिकार और पारदर्शी भूमि प्रशासन का है। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें सरकारी हित भी सुरक्षित रहें और बेवजह किसी आम नागरिक की जमीन वर्षों तक विवाद या प्रतिबंध की सूची में न फंसी रहे।

हाईकोर्ट से रेगाकांता राव को बड़ी राहत

यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग के आरोपों वाली एफआईआर हाईकोर्ट ने की रद्द

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक रेगा कांथा राव को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ पंजागुट्टा पुलिस में दर्ज ऋखठ को रद्द कर दिया है। एक युवती ने आरोप लगाया था कि शादी का भरोसा दिलाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। युवती का यह भी आरोप था कि निजी तस्वीरों और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया गया, उससे पैसे लिए गए और उसके साथ धोखाधड़ी की गई।

शिकायत के बाद पंजागुट्टा पुलिस ने रेगा कांथा राव के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। प्राथमिक शिकायत रिपोर्ट दर्ज के खिलाफ रेगा कांथा राव ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और मामले को रद्द करने की मांग की।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की पीठ ने रिकॉर्ड और उपलब्ध तथ्यों पर विचार किया। सुनवाई के बाद अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को क्वैश कर दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश से रेगा कांथा राव को बड़ी कानूनी राहत मिली है और इस ऋखठ के आधार पर चल रही आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो गई है।

हालांकि युवती की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग, निजी फोटो-वीडियो के इस्तेमाल और पैसे लेने के आरोप शिकायत में किए गए आरोप थे।

तेलंगाना की सियासत में नई हलचल, कविता से मिले विजय के करीबी ज्योतिषी राधन पंडित

क्या ‘विजय मॉडल’ की राह पर काविता ? टीआरएस के भविष्य और राजनीतिक रणनीति को लेकर मुलाकात ने बढ़ाई अटकलें

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की राजनीति में बुधवार को एक दिलचस्प घटनाक्रम ने राजनीतिक हलकों का ध्यान खींचा। तेलंगाना रक्षणा सेना प्रमुख के. कविता से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के करीबी माने जाने वाले ज्योतिषी राधन पंडित वेट्रिवेल ने उनके हैदराबाद स्थित आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद काविता की राजनीतिक रणनीति, पार्टी के भविष्य और उनकी आगे की राजनीतिक दिशा को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

प्राप्त जानकारी में राधन पंडित काविता के आवास पहुंचे और दोनों के बीच मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि इस दौरान काविता की राजनीतिक गतिविधियों, पार्टी के भविष्य और संगठन विस्तार जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। हालांकि, मुलाकात में वास्तव में किन विषयों पर चर्चा हुई ।

कविता और विजय मॉडल की चर्चा

कविता पिछले कुछ समय से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के राजनीतिक सफर और उनके मॉडल को लेकर चर्चा करती रही हैं। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के माध्यम से तमिलनाडु की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसी पृष्ठभूमि में विजय के करीबी माने जाने वाले राधन पंडित से काविता की मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या काविता भी विजय की तरह स्थापित राजनीतिक दलों से अलग एक नए राजनीतिक विकल्प को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही हैं ? क्या युवा मतदाताओं, नए नेताओं और नए राजनीतिक नैरेटिव को केंद्र में रखकर पार्टी का विस्तार किया जाएगा?

टीआरएस के भविष्य पर मंथन?

कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि काविता और राधन पंडित के बीच टीआरएस के भविष्य और पार्टी की राजनीतिक दिशा को लेकर चर्चा हुई। संगठन की मौजूदा स्थिति, राजनीतिक विस्तार और आने वाले समय की रणनीति पर विचार-विमर्श किए जाने की बात भी कही जा रही है।

कविता की नई राजनीतिक पारी

बीआरटीएस से अलग राजनीतिक राह अपनाने के बाद काविता ने अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नई पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, नेताओं और कार्यकर्ताओं को जोड़ना तथा तेलंगाना की राजनीति में प्रभावी जनाधार तैयार करना है।

ऐसे समय में विजय के करीबी माने जाने वाले व्यक्ति से काविता की मुलाकात कई राजनीतिक सवाल खड़े करती है। क्या यह मुलाकात केवल ज्योतिषीय सलाह तक सीमित थी या इसके पीछे राजनीतिक रणनीति पर भी विचार हुआ? क्या आने वाले दिनों में काविता की पार्टी की कार्यशैली और राजनीतिक अभियान में बदलाव देखने को मिलेगा?

राधन पंडित क्यों हैं चर्चा में ?

राधन पंडित वेट्रिवेल को विजय के करीबी ज्योतिषी के रूप में जाना जाता है। 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले विजय की राजनीतिक सफलता और मुख्यमंत्री बनने को लेकर उनकी भविष्यवाणियों की चर्चा हुई थी।

विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद राधन पंडित को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजनीतिक मामलों से जुड़े अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि उनकी नियुक्ति राजनीतिक विवाद का विषय बनी और आलोचनाओं के बाद इसे वापस ले लिया गया।अब कविता से उनकी मुलाकात ने तेलंगाना की राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर भी चर्चा शुरू कर दी है।

मुलाकात से उठे कई सवाल

कविता और राधन पंडित की मुलाकात के बाद राजनीतिक हलकों में कई सवाल उठ रहे हैं। क्या काविता अपनी पार्टी की राजनीतिक दिशा में बदलाव की तैयारी कर रही हैं? क्या संगठन विस्तार के लिए कोई नया मॉडल तैयार किया जा रहा है? क्या विजय की राजनीतिक रणनीति से प्रेरणा लेकर तेलंगाना में नया राजनीतिक प्रयोग किया जाएगा ?

सबसे अहम सवाल यह है कि क्या राधन पंडित ने काविता को उनके राजनीतिक भविष्य, समय और रणनीति को लेकर कोई विशेष सलाह दी ? फिलहाल इन सवालों के स्पष्ट जवाब सामने नहीं आए हैं। लेकिन कविता और विजय के करीबी ज्योतिषी राधन पंडित की मुलाकात ने तेलंगाना की सियासत में नई चर्चा जरूर छेड़ दी है।

अब राजनीतिक नजरें काविता के अगले कदम पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में उनकी पार्टी की गतिविधियां, संगठन विस्तार और राजनीतिक अभियान इस मुलाकात के वास्तविक मायने को और स्पष्ट कर सकते हैं। क्या यह सिर्फ एक मुलाकात थी या किसी बड़े राजनीतिक प्लान की शुरुआत ? तेलंगाना की सियासत में फिलहाल यही सवाल चर्चा के केंद्र में है।

व्हाट्सएप पर बॉस बनकर 1 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में साइबर का अनोखा मामला प्रकाश में आया है । साइबरबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए व्हाट्सएप पर बिजनेस मालिक बनकर 1 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान 37 वर्षीय दीपक कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के लखनऊ का रहने वाला है और वहां वाटर-प्लांट का कारोबार चलाता है। यह पूरी घटना 4 अगस्त 2026 को तब शुरू हुई, जब एक साड़ी रिटेल आउटलेट के अकाउंटेंट के पास एक व्हाट्सएप मैसेज आया।

उस मैसेज की प्रोफाइल पिक्चर और डिस्प्ले नाम को इस तरह से तैयार किया गया था कि अकाउंटेंट को लगा कि यह निर्देश उसके असली मालिक (प्रोप-राइटर) ने भेजा है। झांसे में आकर अकाउंटेंट ने बिना किसी अतिरिक्त जांच के कंपनी के करूर वैश्य बैंक खाते से 1 करोड़ रुपये इंडसइंड बैंक के एक खाते में ट्रांसफर कर दिए।शिकायत मिलते ही साइबरबाद साइबर क्राइम पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण की मदद से मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि ठगी गई इस भारी-भरकम राशि को छिपाने के लिए 'रॉयल मोडा प्राइवेट लिमिटेड' नाम के एक कॉर्पोरेट करंट अकाउंट में भेजा गया था, जिसका उपयोग अपराधियों द्वारा 'म्यूल अकाउंट' (पैसा घुमाने वाले फर्जी खाते) के रूप में किया जा रहा था। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक कुमार का सुराग लगाया और 8 अगस्त 2026 को उसे लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय अदालत से ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद आरोपी को साइबरबाद लाया गया, जहाँ कुकटपल्ली के माननीय नौवें अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के डेटा विश्लेषण से यह भी पता चला है कि आरोपी के इस बैंक खाते के तार अन्य राज्यों में हुए कई अन्य साइबर अपराधों से भी जुड़े हुए हैं।

इस मामले में सबसे उल्लेखनीय बात पुलिस और न्यायपालिका के बीच का बेहतरीन तालमेल रहा, जिसके कारण पीड़ित को उसकी पूरी रकम वापस मिल सकी। रंगारेड्डी के माननीय प्रधान जिला जज के मार्गदर्शन में कुकटपल्ली के प्रथम अतिरिक्त जूनियर सिविल जज-सह-नौवें अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महज 1 दिन के भीतर जरूरी कानूनी आदेश पारित कर दिए। इसके परिणामस्वरूप, अपराध होने के मात्र 10 दिनों के भीतर, यानी 14 अगस्त 2026 को, पीड़ित की पूरी 1 करोड़ की राशि को सुरक्षित कर कानूनी प्रक्रिया के तहत वापस लौटा दिया गया। इस सफल ऑपरेशन को साइबर क्राइम डीसीपी सुश्री के. पुष्पा के पर्यवेक्षण और एसीपी ए. रविंदर रेड्डी के नेतृत्व में इंस्पेक्टर ए. मनमोहन, एसआई श्रीनिवासुलु और उनकी टीम ने अंजाम दिया।इस घटना के बाद साइबराबाद के पुलिस कमिश्नर ने आम नागरिकों और व्यापारियों के लिए एक विशेष सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है।

पुलिस ने सख्त हिदायत दी है कि किसी भी बड़े या असामान्य वित्तीय लेनदेन को करने से पहले हमेशा एक सीधा कॉल (जैसे डायरेक्ट फोन कॉल) के जरिए उसकी पुष्टि जरूर करें।

केवल व्हाट्सएप मैसेज, प्रोफाइल पिक्चर या डिस्प्ले नाम के भरोसे किसी की पहचान को सच न मानें, क्योंकि इन्हें आसानी से फर्जी बनाया जा सकता है। इसके अलावा, किसी भी अज्ञात स्रोत से प्राप्त एपीके फाइल या ऐप को इंस्टॉल न करें। यदि कोई व्यक्ति ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना चाहिए या नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टलपर अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए, ताकि समय रहते बैंक खातों को सील कर ठगी की रकम को सुरक्षित किया जा सके।

स्कूटी पर 5 युवक स्टंट करते दिखें, पुलिस ने दबोचा

लकड़ी का पुल इलाके के पास में उडाई ट्रैफिक नियमों की धज्जियां

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। लकड़ी का पुल इलाके के पास एक स्कूटी पर पांच युवकों के खतरनाक तरीके से सफर करने का वीडियो सामने आया, सोसल मिडिया पर आने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी करने वाले पांचों युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

बताया गया कि एक्टिवा नंबर टीएस13 ईक्यू 6835 पर पांच युवक एक साथ बैठकर सफर कर रहे थे। व्यस्त इलाके में इस तरह स्कूटी पर पांच लोगों का सफर करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि गंभीर हादसे को न्योता देने वाली लापरवाही भी है ! विडियो में युवक स्कुटी को खतरनाक एंगल पर चला रहे थे, इस पास गुजर रहे वाहनों के लिए एक समय के लिए हरकत में डाल रखा था ।

मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मिली शिकायत के जरिए पुलिस के संज्ञान में आया। शिकायत और वीडियो का संज्ञान लेते हुए खैरताबाद पुलिस तथा सैफाबाद ट्रैफिक पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और पांचों युवकों को पकड़ लिया। पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक दोपहिया वाहन पर पांच लोगों का सवार होना महज नियम तोड़ना नहीं, बल्कि अपनी और दूसरे वाहन चालकों की जान को जोखिम में डालना है। अचानक ब्रेक, संतुलन बिगड़ने या दूसरे वाहन से टक्कर की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता था।

सोशल मीडिया शिकायत पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से साफ है कि यातायात नियमों की अनदेखी को लेकर पुलिस अब ऐसे मामलों पर भी नजर रख रही है। सड़क पर कुछ सेकंड की लापरवाही किसी परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द बन सकती है।

लकड़ी का पुल की घटना ने फिर चेताया हैसड़क पर नियमों से खिलवाड़ सिर्फ जुर्म नहीं, जानलेवा लापरवाही भी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.